SARDAR VALLABH BHAI PATEL GOVT. COLLEGE, KUKSHI, DISTRICT-DHAR [M.P.]

E-mail ID: hegckukdha@mp.gov.in and govtcollegekukshi@gmail.com

Affiliated to Devi Ahilya University, Indore [M.P.]

College Photo

SARDAR VALLABH BHAI PATEL GOVT. COLLEGE, KUKSHI, DISTRICT-DHAR [M.P.]

E-mail ID: hegckukdha@mp.gov.in and govtcollegekukshi@gmail.com

Affiliated to Devi Ahilya University, Indore [M.P.]

Self-Declaration

This is to declare that the information reports, true copies and numerical data etc., furnished is the file as supporting document is verified by me.

Hence this certificate.

Principal
Sardar Vallabh Bhai Patel
Govt College Kukshi. Dist.-Dhar

Dr. R. L. Garg

SARDAR VALLABH BHAI PATEL GOVT. COLLEGE, KUKSHI, DISTRICT-DHAR [M.P.]

E-mail ID: hegckukdha@mp.gov.in and govtcollegekukshi@gmail.com

Affiliated to Devi Ahilya University, Indore [M.P.]

CRITERION I- CURRICULAR ASPECTS

KEY INDICATOR-1.3 CURRICULUM ENRICHMENT

1.3.2 Percentage of students undertaking project work/field work/ internships (Data for the latest completed academic year)

1.3.2.1. Number of students undertaking project work/field work / internships

Principal
Sardar Vallabh Bhai Patel
Govt College Kukshi. Dist.-Dhar

Dr. R. L. Garg

SARDAR VALLABH BHAI PATEL GOVT. COLLEGE, KUKSHI, DISTRICT-DHAR [M.P.]

E-mail ID: hegckukdha@mp.gov.in and govtcollegekukshi@gmail.com

Affiliated to Devi Ahilya University, Indore [M.P.]

Sr. No.	INDEX	Pages No.
1.	PROJECT WORK OF FINAL YEAR STUDENTS	

Principal
Sardar Vallabh Bhai Patel
Govt College Kukshi. Dist.-Dhar

Dr. R. L. Garg

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु ....दिनेश बघेल.... (विद्यार्थी का नाम) ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

Madhav Chouhan MP Online Bagh
Password - Online@143
Mob- 7748814335

हस्ताक्षर ....

नाम : माधव चौहान

पद : कम्प्यूटर

कार्यालय / संस्था : ग्राम - पिपरियापानी

स्थान : ....

दिनांक : 12/01/25

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. ..Dinesh Baghel.......... (Name of the student) has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Madhav Chouhan MP Online Bagh
Password - Online@143
Mob- 7748814335

Signature: ....

Name: Madhav Chouhan

Designation: Computer

Office/Institution: Grame; Pipriyapani

Date: ....

Place: ....

Topic Date

★ कम्प्यूटर ★

प्रस्तावना → कम्प्यूटर एक नवीनतम तकनीक है जो ज्यादातर जगहों पर इस्तेमाल किया जाता है ये कम समय लेकर ज्यादा से ज्यादा कार्य को सम्भव बनाता है ये कार्य स्थल पर व्यक्ति के श्रम को कम कर देता है अर्थात कम समय और कम श्रम शक्ति उच्च स्तर का परिणाम प्रदान करता है। आधुनिक समय मे बिना कम्प्यूटर के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है वह कम्प्यूटर विद्युत द्वारा चालित है

"कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति कहा से हुई कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति कम्प्यूटर 'कम्प्यूट' (Comput) शब्द से हुई कम्प्यूटर जो कि एक लैटिन भाषा का शब्द जिसका अर्थ होता है गणना करना अब आप कहेंगे कि यह सब तो ठीक है लेकिन कम्प्यूटर का जनक चार्ल्स बैबेज का है

कम्प्यूटर का परिचय ÷

कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति अंग्रेजी के Compute से मानी है जिसका अर्थ है अथवा संगणक कहा जाता है। जो अत्यन्त तीव्रगति से गणनाएँ करने में सक्षम है। जो इसके अर्थ को और भी अधिक व्यापक बना देते है।

C - Calculation - (गणना) Common
O - Operative - (क्रियाशील) oriented
M - Mechanics - (यांत्रिकी) machine
P - Processing - (प्रक्रिया) Particularly
U - Useful - (उपयोगी) United
T - Thesaurus - (शब्दकोश) Technical
E - Extensive - (विस्तृत) Educational
R - Research - (अनुसंधान शोध) Research

अतः 'कम्प्यूटर' का तात्पर्य एक ऐसे यन्त्र से है, जिसका उपयोग गणना प्रक्रिया, यांत्रिकी, अनुसंधान, शोध आदि कार्यों में किया जाता है।

Topic Date : / /

~~कार्य~~

कम्प्यूटर के कार्य :

कम्प्यूटर एक ऐसी मशीन है जिसमें आप हर जगह देख सकते हैं. हर छोटे बड़े काम को करने के लिए कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है. कम्प्यूटर का इस्तेमाल करके लोग अपने काम को बहुत आसानी से कम ~~सस~~ समय मे पूरा कर लेते हैं, इस पोस्ट में आपको कम्प्यूटर के कार्य के विषय में बहुत ही सरल और आसान भाषा में बताया गया है.

कम्प्यूटर इनपुट और आउटपुट डिवाइस के मदद से उपयोगकर्ता द्वारा दिए काम को करता है. कम्प्यूटर में किसी भी कार्य करने के लिए यूजर सबसे पहले इनपुट डिवाइस जैसे की कीबोर्ड, माऊस, स्कैनर की मदद से अपना इनपुट डाटा, इंफॉर्मेशन और प्रोग्राम कम्पूटर मे डालते हैं.

Scanned with OKEN Scanner

उपसंहार

आज कम्प्यूटर हर क्षेत्र में अनिवार्य हो रहा है। भारत वर्ष में एक प्रकार से कम्प्यूटर युग का ही आगमन हो रहा है।

आज इसकी मदद से हर व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर के जरिए आसानी से ढूंढ लेता है।

साथ ही बच्चों के लिए ड्राइंग, गेम्स व अन्य कई चीजें उपलब्ध करवाता है जिससे बच्चों का मनोरंजन होने के साथ-साथ उनका ज्ञान भी बढ़ सके।

हमारी सहायता का भाव भी उत्पादन होता है कम्प्यूटर का भेदभाव की प्रणाली है और वह मनोरंजन की प्रति का वर्णन किया जा सकता है।

APPU
1905

Scanned with OKEN Scanner

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. ......संगीता मण्डलोई...... (विद्यार्थी का नाम) ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : ....

स्थान : ....

दिनांक : ....

नाम : ......राघु बोंदड़......

पद : प्रधानाध्यापक

कार्यालय/संस्था : ....

प्रधानाध्यापक
प्रा. वि. अंजनियापुरा (कवडा)
वि.खं. ... कार्या. ... जि. धार (म.प्र.)

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... (*Name of the student*) has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ....

Place: ....

Signature: ....

Name: ......राघु बोंदड़......

Designation: ....

Office/Institution: प्रधानाध्यापक

Topic : परियोजना कार्य की (रूप रेखा)

Page

Date

क्रमांक		पेज न.
1.	प्रस्तावना।	1
2.	शिक्षा का अर्थ।	1-3
3.	शिक्षक के प्रति गाँधीजी के विचार।	3-4
4.	शिक्षक के गुण।	4-14
5.	शिक्षक के कर्तव्य।	14-19
6.	शिक्षक और शिष्य के बिच में संबंध।	19-21
7.	शिक्षक और की भूमिका।	21-23
8.	सामाजिक विकास में शिक्षक की भूमिका।	23-31
9.	राष्ट्रीय एवं भावनात्मक एकीकरण की दिशा में शिक्षकों का योगदान।	31-34
10.	शिक्षक के संगठन उसकी आवश्यकता एवं महत्व।	34-36
11.	वर्तमान में शिक्षा के उद्देश्य।	37-39
12.	शिक्षा का महत्व।	40-41
13	आदर्श शिक्षक।	41-42
14	निष्कर्ष।	42-43
15	उपसंहार।	44

Sign: .....

Scanned with OKEN Scanner

Topic :

Page
Date

शिक्षक प्रोजेक्ट

(1) प्रस्तावना :-

शिक्षा का आशय शिक्षा प्रणाली के Education शब्दों का हिन्दी अनुवाद है। अंग्रेजी के Education शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के निम्न तीन शब्दों से हुई।

(1). Education :- Act of teaching of learning
(2). Education :- To Education to bring up to rise.
(3). Education :- To bring forth to led out.

इस प्रकार कहा जा सकता है की-

"Education is the Act of teaching bring up and rise leding up."

अर्थात प्रशिक्षण, संवर्धन और पथ प्रदर्शन ही शिक्षा है।

"शिक्षा का अर्थ"

(1). शिक्षा का संकुचित अर्थ :-

संकुचित अर्थों में शिक्षा

Sign: ....

Scanned with OKEN Scanner

और कर्तव्य पराणयता जैसे सम्मान कल्याणकारी गुण रह सके। यह क्रियात्मक शिक्षा में विश्वास रखते है।
उन्ही के शब्दों में..........।
"मैने अनुभव किया कि कार्य क्षेत्र कक्षा के बहार अधिक है। जो केवल पारिश्रमिक की इच्छा से अध्यापन करते है वे कक्षा के बहार छात्रों को समय नही दे पाते है।

4. शिक्षक के गुण :-
स्वामी विवेकानन्द ने शिक्षक में निम्नलिखित गुण होना आवश्यक माना है।

1. विद्यार्थी का ज्ञाता।
2. उज्जवल चरित्र।
3. प्रबल प्रेम की भावना।
4. सहानुभूति पूर्ण व्यवहार।
5. वाणी का संयम।
6. मनोविज्ञान का ज्ञान।
7. विश्वास
8. अवलोकन
9. निरभीमान
10. शिक्षक के सामाजिक एवं प्रेरित गुण।
(1) सामाजिक भावना

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षक एवं ऐसा व्यक्ति है जो बच्चो के भविष्य के निर्माण की नीव होती है गुरु से ही ज्ञान मिलता है और एक आदर्श गुरु ही बच्चों के भविष्य का निर्माण करते है। तथा हमें यह सिखाते है।

" गुरु की आँखों में है ज्ञान
सज्जन की आखों में है नम्रता
विद्यार्थी की आँखों में है जिज्ञासा "

(14). निष्कर्ष ⇒

आज के प्रतियोगिता युग में हमें रोजगार परियोजना तथा रोजगार प्राप्त करने के लिए कई तरह की उपयोगिता परिक्षाओं के लिए काफी मार्गदर्शन की आवश्यकता पड़ती है। कोई भी प्रतियोगिता परिक्षा बिना मार्गदर्शन के उस हम नही कर पाते इसलिए इस प्रतियोगिता में हमें मार्गदर्शन एवं कार्य अनुभव का हमें होना आवश्यक है।

(15)

उपसंहार :⇒ षष्ठम् सेमेस्टर में हम महाविद्यालय में औपचारिक शिक्षा प्राप्त करते परन्तु इन दिनों में

जैसे संख्या में छात्र छात्राओं से सम्पर्क हुआ तथा कई प्रकार की अनौपचारिक शिक्षाए ग्रहण की तथा अनुभव हुआ कि शिक्षक शिक्षिकाएं किन परिस्थितियों में मिलकर कई योग्य विद्यार्थियों का निर्माण करते है इस प्रशिक्षण के दौरान हमने प्रशिक्षण संस्थान में रहकर अपने विषयों का अध्ययन का अध्यापक का कार्य सौंपा गया। जिसमे हमें अन्य विषयों का अध्ययन के ज्ञान के साथ कई प्रकार का ज्ञान प्राप्त हुआ।

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. ......निशा मण्डलोई...... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : ....

स्थान : अतरसुमा

दिनांक : ....

नाम : ....

पद : ....

कार्यालय/संस्था : मा.वि. अतरसुमा

प्रधानाध्यापक
शा. माध्य. विद्या. अतरसुमा
वि.ख. डही जिला धार (म.प्र.)

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .....Nisha Mandloi........ *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: Attarsuma

Place: Attarsuma

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: M.S. Attarsuma

Scanned with OKEN Scanner

Topic : Date :

विषय वस्तु

(1.) प्रस्तावना

(2.) शिक्षा का अर्थ

(3.) सोद्देश्यता

(4.) शिक्षक / शिक्षिका के कार्य

(5.) सफल शिक्षक / शिक्षिका के गुण

(6.) शिक्षक / शिक्षिका के कुछ प्रमुख मानवीय गुण

(7.) स्कूल की अन्य गतिविधियाँ

(8.) पुस्तकालय एवं वाचनालय

Scanned with OKEN Scanner

Topic : Date :

परियोजना कार्य सम्बन्धी पूर्ण अध्ययन

(1) प्रस्तावना — लोकतन्त्रीय समाज में राष्ट्र के निर्माण में शिक्षिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक/शिक्षिका लोकतन्त्र के आदर्शों का प्रचार प्रसार करना है जिससे उसके प्रति लोगों के मन में श्रद्धा एवं आस्था के भाव उत्पन्न होते है। लोकतन्त्र के सभी आदर्शों व गुणों का विकास सम्बन्ध होता है। वह अपने शैक्षिक कार्य के दौरान समाज के दायित्वों का निर्वाह करने के लिए विद्यार्थियों में आवश्यक गुणों का भी विकास करते है। वे सामाजिक एवं राष्ट्रीय समस्याओं के बारे में अवगत उन्हे सामाजिक समस्याओं के निदान में कुशलतापूर्वक योगदान देने के समक्ष हो जाते है।

विद्यार्थी में राष्ट्रीय चरित्र का विकास इन्हें समाज में एवं राष्ट्र के लिए अच्छा नागरिक के रूप में बनाकर उनमें राष्ट्रीय भावना का सूत्रपात करने में भी शिक्षक/शिक्षिका की महत्वपूर्ण भूमिका है।

Scanned with OKEN Scanner

Topic : Date :

शिक्षिका के कर्तव्य :—

शिक्षक / शिक्षिका को राष्ट्र निर्माता कहा गया है इसके अतिरिक्त शिक्षिका को समाज का पथ प्रदर्शक संस्कृति का पोषक एवं राष्ट्र उन्नायक भी कहा गया है। इसका अर्थ है कि समाज एवं राष्ट्र को उससे बहुत अपेक्षाएँ हैं जिसको एक व्यक्ति को पूरा करना चाहिए परन्तु दुख है कि शिक्षक / शिक्षिका प्राचीनकाल के अपने आदर्श एवं सम्मान को खो चुके हैं अतः उसे समाज में सम्मान जनक स्थान प्राप्त करने हेतु पूर्ण निष्ठा के साथ उसे निम्नलिखित कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

शिक्षा एवं शिक्षक / शिक्षिका जो एक दूसरे के पूरक के सम्बन्ध में कहा जा सकता है उसका पहला लक्ष्य होना चाहिए 14 वर्ष तक की आयु भारतीय बच्चे शिक्षित हैं। शिक्षक / शिक्षिका तथा शिक्षा से जुड़े व्यक्तियों तथा अन्य संस्थाओं को एक जुट होकर इस शैक्षिणिक लक्ष्य बनाना होगा। शिक्षा का दूसरा सार्वजनिक महत्वपूर्ण कर्तव्य है।

Topic : Date :

भविष्य की चुनौतियाँ एवं सम्भावनाऐं :—

इस परियोजना को मैंने शिक्षक/शिक्षिका पद के लिए चुना है। मुझे यह पद अच्छा लगा है इस पद के लिये स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए और साथ ही म.प्र. शासन द्वारा आयम परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है इसलिये मैंने शिक्षिका पद ही चुना है। इस पद के लिये जिला जनपद पंचायत में विज्ञापित जारी की जाती है। उसमें शिक्षक/शिक्षिका पद के लिए नियुक्त किये जाते हैं। इसलिये हमें सामान्य ज्ञान की जानकारी होना भी अनिवार्य है और योजना पत्रिका पढ़ना चाहिए जैसे घटना चक्र वार्षिक पत्रिका रोजगार समाचार पत्र रोजगार निर्माण और कई प्रकार की सामान्य अध्ययन की पुस्तक पढ़ना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

Topic : Date :

द्वारा ली जाने वाली परीक्षा भी उत्तीर्ण होना चाहिए जिसमें कि रोजगार मिल सके।

प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाता है जिससे कि वह छात्रों को सही शिक्षा की जानकारी दे सकें इसलिए प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी है।

आने वाली चुनौतियाँ उनसे निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदम :— शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों को और उनसे निपटने के लिए हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए जिससे कि शिक्षा की रोशनी से मानव अपने जीवन को आलोकित कर सकता है। दुनिया को बेहतर समझाने की योग्यता प्राप्त कर सकता है। वर्तमान समय की सबसे बड़ी योग्यता है। शिक्षा समाज को बदलने तथा समाज को बनाने दोनों की

Topic : Date :

क्षमता रखती है। वर्तमान असंतुलित समाज के सुधार हेतु शिक्षा कि आत्यन्त आवश्यकता है शिक्षण प्रशिक्षण में हमें बहुत सी कठिनाईयां का सामना करना पड़ता है जिससे कि अर्थ को समझने में कठिनाईया होती है। जिससे कि हमें शिक्षक/शिक्षिका मां या पुस्तक की सहायता से हम उस शब्द के अर्थ को समझ सकते है। क्योंकि अध्यापन करवाने समय हमें सभी पहलुओं को ध्यान से पढ़ना पड़ता है और समझाना पड़ता है। ताकि हमें अध्यापन करवाते समय किसी शब्द का अर्थ समझने में भी कठिनाईयाँ होती है। इसलिए हमें शिक्षा का पूर्ण रूप से ज्ञान होना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. .... कु॰ रचना चौहान .... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कायं को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : गीता बघेल

स्थान : कुक्षी

दिनांक : ....

नाम : गीता बघेल

पद : आंगनवाड़ी

कार्यालय/संस्था : आं॰ केन्द्र 14 II चमड़ा गोदाम ICDS कुक्षी

आँगनवाड़ी कार्यकर्ता
कु. गीता बघेल
आँ.केन्द्र–14 II चमड़ा गोदाम
ICDS कुक्षी

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ....

Place: ....

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: ....

Scanned with OKEN Scanner

आँगनवाड़ी की सेवाए

आँगनवाड़ी केन्द्र बाल विकास और वृद्धि मे सहायता प्रदान करने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आँगनवाड़ी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाए अनुपूरक आहार, किस टिकाकरण स्वास्थ्य जांच और आगे अस्पतालो को भेजना स्वास्थ्य एव पोषण शिक्षा तथा 3 से 6 वर्षो की आयु के बच्चो के लिए विद्यालय पूर्व शिक्षा

आँगनवाड़ी मे प्रदान की जाने वाली सुविधा

बच्चो को पोषक आहार देकर कुपोषण से सुरक्षित रखना 6 वर्ष से कम आयु वाले बच्चो का टिकाकरण करना व गर्भवती महिलाओ की जांच एवं टीकाकरण करवाना नवजात और छह से कम उम्र के बच्चो की देखभाल की जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

DATE:
PAGE NO: 02

आँगनवाडी से लाभ

आँगनवाडी मे 6 वर्षो मे कम आयु के बच्चो का टिकाकरण किया जाता है। 3 से 6 साल के बच्चो के बच्चो को शिक्षा दी जाती है स्वास्थ्य वातावरण दान किया जाता है। बच्चो को पौष्टिक आहार दिया जाता है। कुपोषित बच्चो को स्वास्थ्य सम्बधी सुविधाए प्रदान की जाती है।

आँगनवाडी कार्यकर्ता चयन

विभाग की सभी स्कीम, सेवाओ और केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर चलाए जाने वाले विभिन्न अभियानो बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान प्रोफाइल, अभियान को आँगनवाडी केन्द्र के माध्यम से आम जनता तक पहुचाने मे सफल रोल कार्य होता है।

DATE:

आँगनवाड़ी मे बच्चो ~~पढ़ाते~~ पढ़ते

शासन ने प्राइवेट प्ले स्कूलो की तर्ज पर छोटे बच्चो को खेल - खेल मे प्रारम्भिक शिक्षा देने आँगनवाड़ी केन्द्र मे संस्कार योजना की शुरुआत की है

आँगनवाड़ी से पोषण बच्चो को देते

आँगनवाड़ी के अनुपूरक पुष्टाहार के मानक के अनुसार सूची को हर महीने 1.2 किलो गेहूँ, दलिया 1.5 किलो चावल, 2 किलो चना दाल, 500 ग्राम खाद्य तेल मिलता है

भोजन मे ~~भोज~~ पोषण वितरण

पोषण अभियान के जिला समन्वयक अनमोल आँगनवाड़ी केन्द्र पर नए पूरक पोषाहार के रूप मे बच्चो को चावल का पुलाव, खिचड़ी, आलु - चना, सब्जी रोटी, चावल, कद्दू, दाल के साथ परोसा जाता है

अवकाशकालीन क्षमता कार्यक्रम

अवकाशकाल के दौरान भौतिक, रसायन विज्ञान इलेक्ट्रानिक, खगोल विज्ञान आदि क्षेत्र मे सम्बंधित सृजनात्मक क्षमता केन्द्र केन्द्र द्वारा आयोजित किए जाते है जिससे प्रतिभागियों को हस्तगत अनुभव के साथ-साथ विज्ञान किट्स तैयार करने की कुशलता प्राप्त होती है

विज्ञान मेला

विद्यार्थियों की खोजी प्रवृत्ति एवं जिज्ञासा तथा उनकी रचनात्मक की प्यास को बुझाने के लिए एक मंच प्रदान करना इस गतिविधि का उद्देश्य है सबसे पहले ये ब्लॉक स्तर पर तथा उसके बाद जिला स्तर और फिर राज्य स्तर पर आयोजित किया जाता है राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के विजेता दक्षिण भारती विज्ञान मेले मे

Sign:

Scanned with OKEN Scanner

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. रमेश मण्डलोई .... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : [signature]

स्थान : कुक्षी

दिनांक : 10/02/23

नाम : Saroj Yadav

पद : Computer Teacher

कार्यालय/संस्था : Galaxy Computers

GALAXY COMPUTERS * KUKSHI, DIST. DHAR

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. ....Ramesh Mandloi........ *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: 10/02/23

Place: Kukshi

Signature: [signature]

Name: Saroj Yadav

Designation: Computer Teacher

Office/Institution: Galaxy Computers

GALAXY COMPUTERS * KUKSHI, DIST. DHAR

Scanned with OKEN Scanner

Computer के क्षेत्र मे रोजगार के अवसर

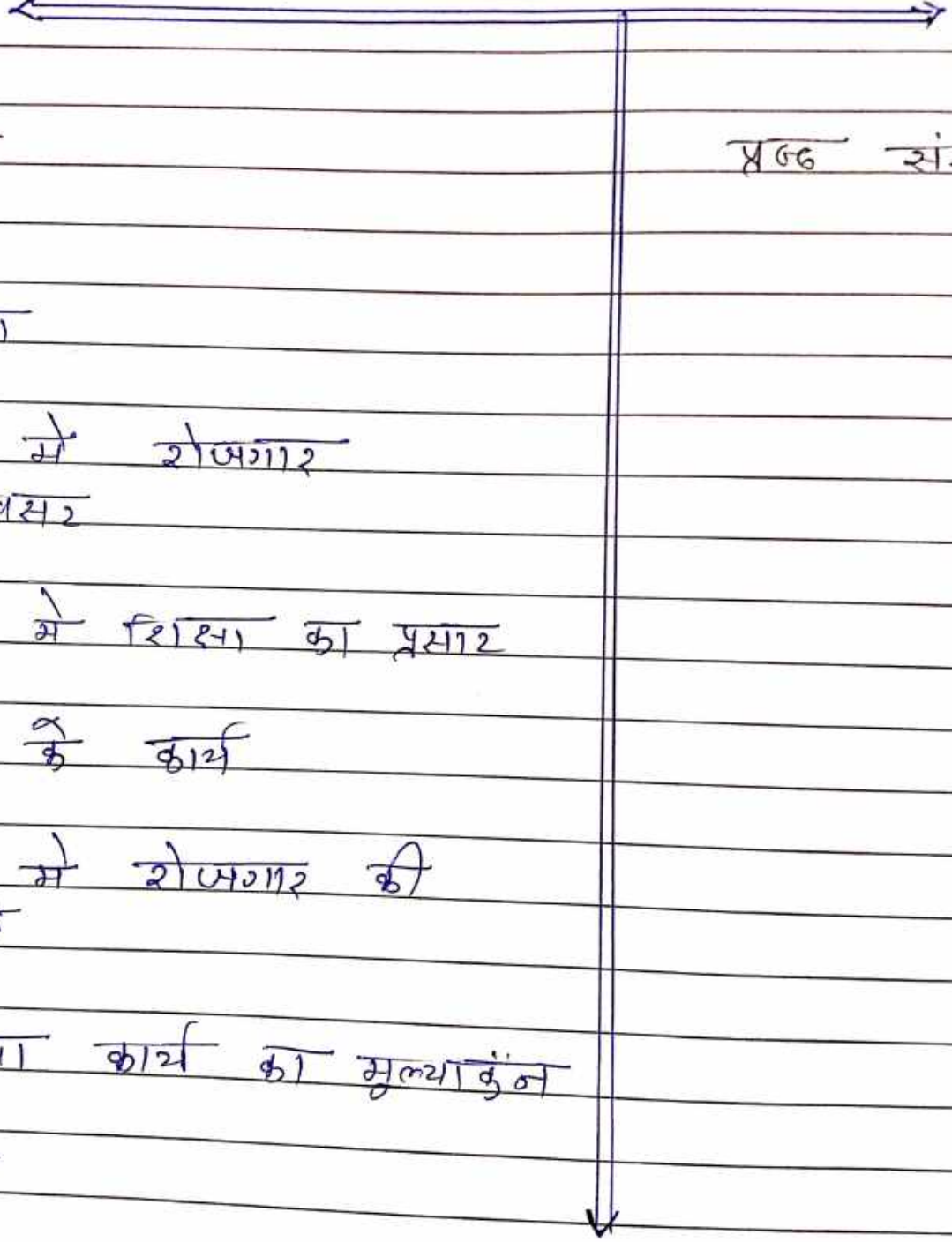

1. प्रस्तावना
2. कंप्युटर मे रोजगार के अवसर
3. कंप्युटर मे शिक्षा का प्रसार
4. कंप्युटर के कार्य
5. कंप्युटर मे रोजगार की संभावनाएं
6. परियोजना कार्य का मुल्यांकन
7. निष्कर्ष

Scanned with OKEN Scanner

कंप्यूटर के क्षेत्र में रोजगार के अवसर

प्रस्तावना :-

कंप्यूटर एक स्वचलित और निर्देशों के अनुसार कार्य करने वाला इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो डेटा ग्रहण करता है और सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम के अनुसार किसी परिणाम के लिए डेटा को प्रोसेस, अकाईव या चित्रित करता है।

कम्प्यूटर" शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के कप्युटर शब्द से हुई है। परंतु कुछ संस्थाओं का आभास होता है कि कंप्युटर शब्द की उत्पत्ति कम्प्युटर शब्द से हुई है दोनों का अर्थ गणना करना है, एक कम्प्युटर सिस्टम कम्प्युटर शब्द अंग्रेजी के आठ अक्षरों से मिलकर बना है। जिसका अर्थ अधिक व्यापक बना दिया गया है।

C - कॉमनली (कॉमनली)
O - ऑपरेटेड (ऑपरेटिड)
M - मशीन (मशीन)
P - विशेष रूप से (विशेष रूप से)
U - के लिए प्रयुक्त (यूसड फोर)
T - टेक्निकल (टेक्निकल)
E - एजुकेशन और (एजुकेशन एंड)
R - रिसर्च (रिसर्च)

इसलिए" कम्प्युटर का सिद्धांत एक ऐसा यन्त्र से है कंप्युटर हार्डवेयर सॉफ्टवेयर (डेटा) सूचना से बदल रहा है।

"कम्प्युटर मे रोजगार के" अवसर

कम्प्युटर" आज दुनिया के हर कोने मे कंप्युटरो की बहुत मांग है। और आज के समय मे कंप्युटर सर्वोच्च स्थान है। इतना ही नही दुनिया के हर छोटे बड़े विपणन क्षेत्र मे, न केवल लेनदेन के लिए, बल्कि हर चीज की निगरानी के लिए भी कंप्युटर का उपयोग किया जाता है। ऐसे मामलो मे उस कम्प्युटर को संचालित करने के लिए एक कंप्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता होती है

इस सेवा शुल्क का निर्धारण सूचना एवं सेवा प्रौद्योगिकी मध्यप्रदेश की शासन की अध्यमिता मे गठित सेवा शुल्क निर्धारक समिति द्वारा किया जाता है

(M.P.) ऑनलाइन अधिकृत जानकारी" एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सेवा को (M.P.) ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सेवा को एमपी से ऑनलाइन करने का सरल उपाय है सामान्यतः कियोस्क मे दुकान ऑफिस इंटरनेट कैफे की होता है इंटरनेट बायोमैट्रिक डिवाइस सहित होता है आदि की सुविधा उपलब्ध है

इच्छुक आवेदक को (M.P.) ऑनलाइन लिमिटेड के साथ नागरिको को सेवाये कियोस्क मे स्थापित ऑनलाइन अधिकृत किया जाता है कम्प्युटर मे व्यवहारिक ज्ञान होना है

कंप्यूटर के कार्य

कंप्यूटर एक मशीन है जो निर्देशों की सूची के अनुसार डेटा में हेरफेर करती है यह संख्याओं के संख्याओं की तुलना करना सूचियों मे या तालिकाओं मे डेटा संग्रहित करना या मानों की गणना करना हो सकता है

कंप्यूटर :- इनपुट और आउटपुट डिवाइस के मदद से उपयोगकर्ता द्वारा किये काम को करता है कंप्यूटर मे किसी भी कार्य को करने के लिये यूजर सबसे पहले इनपुट डिवाइस जैसे कीबोर्ड माउस स्कैनर की मदद से अपना इनपुट डाटा इन्फोर्मेशन और प्रोग्राम कंप्यूटर मे डालते है फिर भी कंप्यूटर यूजर दिए गए इन्फोर्मेशन प्रोसेसर को काम पुरा करता है

कंप्यूटर एक ऐसी मशीन है जो हार्डवेअर और सोफ्टवेयर डिवाइस से मिलकर बना होता है इन्ही की दो डिवाइस के मदद से यूजर किये जाने वाले डाटा को प्राप्त करता है डाटा को प्रिंसिप करने के बाद कंप्यूटर फिर इस डाटा के रिजल्ट को यूजर को आउटपुट डिवाइस से मदद से दिखाता है इस तरह से कंप्यूटर किसी भी कार्य को आसानी से बस कुछ ही सेकेंड मे पूरा कर देता है

"निष्कर्ष"

अंत में इस परियोजना को करते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहूंगा। मैंने दिए गए विषय के बारे में कई नई बातें सीखने को मिली। जो मैं सबसे अच्छी बात जो मैं साझा कर सकता हूँ वह यह है कि मैंने इस विषय में अधिक रुचि विकसित की है।

इस परियोजना ने मुझे (कंप्यूटर) विषय में वास्तविक जानकारी प्रदान की है जो हमारे लिए इस तरह के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए इस परियोजना को करने वाले हर एक कार्य का परियोजना कार्य पूरा किया है।

Scanned with OKEN Scanner

सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय

कुक्षी, जिला धार (म.प्र.)

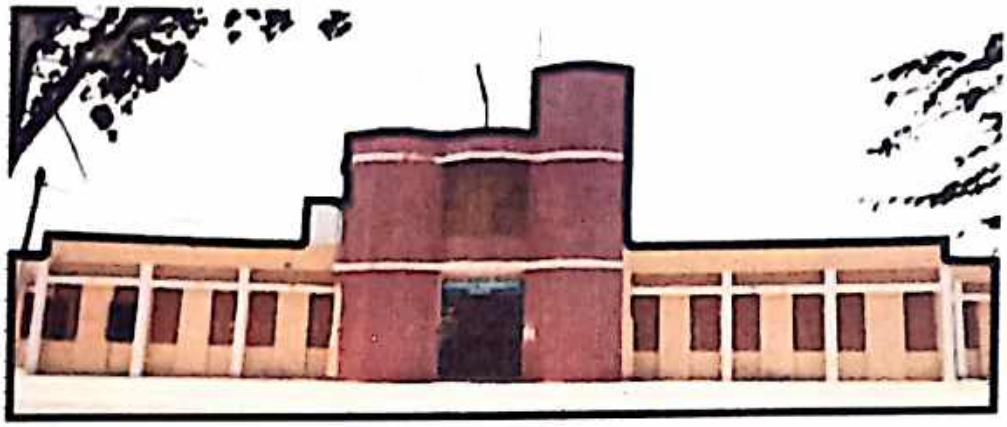

सत्र :— 2022—23

कक्षा :— एम.ए. — चतुर्थ सेमेस्टर

परियोजना कार्य का शीर्षक

—: बाघ गुफा :—

हस्ताक्षर मार्गदर्शक .... हस्ताक्षर विद्यार्थी Chouhan

निर्देशन का नाम :—

डॉ. शिवलाल मुझाल्दा

सरदार वल्लभभाई पटेल शा. महाविद्यालय कुक्षी

विद्यार्थी का नाम :— लक्ष्मणसिंह चौहान

अनुक्रमांक :— 210540253

मो. नं. :— 9098991007

Scanned with CamScanner

आभार

मैं सर्वप्रथम ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के चरणों में सादर वंदन हुँ, जिनके आर्शीवाद से मै इस शौध कार्य को पुर्णता प्रदान कर सका/सकी हूँ। तत्पश्चात मैं अपने शौध निर्देशक **डॉ. एस.एस.मुझाल्दा (प्राध्यापक – इतिहास) सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय कुक्षी जिला धार (म.प्र.)** की सबसे ज्यादा आभारी हुँ, जिनका उचित मार्गदर्शन मुझे प्राप्त हुआ है। और उनके मार्गदर्शन से ही मैं यह शोध कार्य पुरा हो सका/सकी हुँ।

मैं अपने पुज्यनीय माताजी एवं पिताजी के विशेष आभारी हुँ, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मुझें अपना सहयोग एवं सबल दिया है।

मैं अपने अध्ययन क्षेत्र के उत्तरदाताओं की सबसें अधिक आभारी हुँ। जिनके सहायोग के बिना यह कार्य सम्पन्न नही हो पाता।

अतः में , उन सभी महानुभवों का आभार व्यक्त करता/करती हुँ। जिनका प्रत्यक्ष–प्रत्यक्ष सहयोग इस कार्य में मुझें प्राप्त हुआ है।

नाम लक्ष्मणसिंह चौहान

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कमल, कुमुदनी आदि जलीय वनस्पतियाँ, बाघ, जिला धार

AQUATIC FLORA INCLUDING LOTUS AND WATER LILLIES, BAGH, DISTT. DHAR.

कमला-बली, बाघ, जिला धार

LOTUS SCROLL, BAGH, DISTT. DHAR

CEILING PANEL WITH GEOMETRIC AND FLORAL MOTIFS, BAGH, DISTT. DHAR

Scanned with CamScanner

सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय

कुक्षी, जिला धार (म.प्र.)

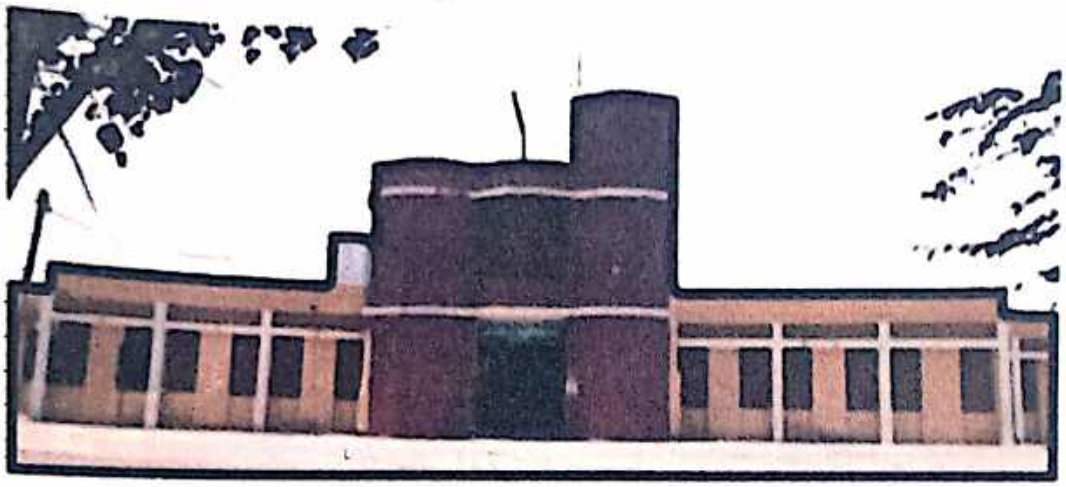

सत्र :– 2022–23

कक्षा :– एम.ए. – चतुर्थ सेमेस्टर

परियोजना कार्य का शीर्षक

–: बाघ गुफा :–

हस्ताक्षर मार्गदर्शक .....

निर्देशन का नाम :–

डॉ. शिवलाल मुझाल्दा

सरदार वल्लभभाई पटेल शा. महाविद्यालय कुक्षी

हस्ताक्षर विद्यार्थी .....

विद्यार्थी का नाम :– सुरेश डोडवे

अनुक्रमांक :– 210540238

मो. नं. :– 8085248639

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

बाग की गुफाएँ

प्रस्तावना :-

म. प्र. मे धार जिले मे कुक्षी तहसील से लगभग 18 किलो. मी. जामान्या गाँव मे स्थित है उत्तर दक्षी मे यह गुफाएँ बाघिनी नदी के किनारे स्थित है।

ये गुफाएँ बौद्ध धर्म से संबंधित है और निश्चित नही है इन गुफाओ को कब और कैसे बाघ कहा जाने लगा। आधुनिक काल मे इन गुफाओ की खोज सबसे पहले 1818 मे की गई थी ऐसा प्रतीत होता है कि 10वी शताब्दी ईस्वी तक मध्य भारत मे बौद्ध धर्म के विलुप्त होने के बाद ये गुफाएँ बाघ की गुफाएँ मानव स्मृति से मिट गई बीच की शताब्दियो के दौरान गुफाएँ अक्सर बाघो (बाग) का निवास स्थान बन गई बीच की शताब्दियो के दौरान गुफाएँ अक्सर बाघो और गुफाओ के साथ बाघो के इस जुडाव ने उन्हे वर्तमान नाम दिया गुफाओ की खुदाई तक छोटी पहाड़ी मे हो थी।

Scanned with CamScanner

सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय

कुक्षी, जिला धार (म.प्र.)

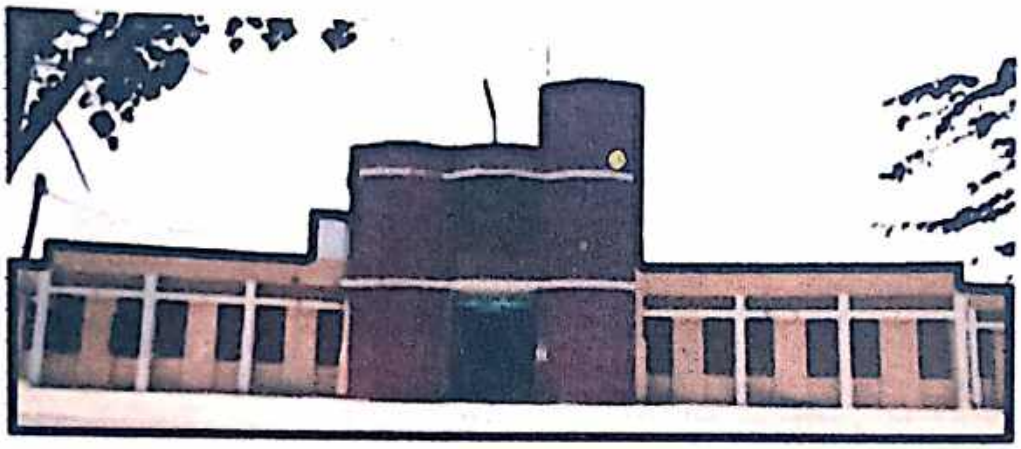

सत्र :– 2022–23

कक्षा :– एम.ए. – चतुर्थ सेमेस्टर

परियोजना कार्य का शीर्षक

–: बाघ गुफा :–

हस्ताक्षर मार्गदर्शक .....

निर्देशन का नाम :–

डॉ. शिवलाल मुझाल्दा

सरदार वल्लभभाई पटेल शा. महाविद्यालय कुक्षी

हस्ताक्षर विद्यार्थी Dinesh.....

विद्यार्थी का नाम :– दिनेश जमरा

अनुक्रमांक :– 210540237

मो. नं. :– 8120195725

Scanned with CamScanner

आभार

मैं सर्वप्रथम ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के चरणों में सादर वंदन हूँ, जिनके आर्शीवाद से मै इस शोध कार्य को पुर्णता प्रदान कर सका/सकी हूँ। तत्पश्चात मैं अपने शोध निर्देशक डॉ. एस.एस.मुझाल्दा (प्राध्यापक – इतिहास) सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय कुक्षी जिला धार (म.प्र.) की सबसे ज्यादा आभारी हूँ, जिनका उचित मार्गदर्शन मुझे प्राप्त हुआ है। और उनके मार्गदर्शन से ही मैं यह शोध कार्य पुरा हो सका/सकी हूँ।

मैं अपने पुज्यनीय माताजी एवं पिताजी के विशेष आभारी हूँ, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मुझें अपना सहयोग एवं सबल दिया है।

मैं अपने अध्ययन क्षेत्र के उत्तरदाताओं की सबसें अधिक आभारी हूँ। जिनके सहायोग के बिना यह कार्य सम्पन्न नही हो पाता।

अतः में . उन सभी महानुभवों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ। जिनका प्रत्यक्ष– अप्रत्यक्ष सहयोग इस कार्य में मुझें प्राप्त हुआ है।

दिनेश जमरा

Scanned with CamScanner

DATE
PAGE

रंग द्रव्य

उपयोग किये गये अधिकांश रंग द्रव्य मिट्टी या खनिज मूल के हैं मात्रा काले रंग को छोड़कर जिसे इनकी स्थानीय उपलब्धता थी इसके अतिरिक्त बाद में लाल लाख के उपयोग का भी विवरण मिलता है।

① गुरु या लाल (फेरिक आक्साईड) लाल रंग के लिये

② गेरुआ लाल पीला (हाइड्रेड फेरिक आक्साईट) पीले रंग के लिये

③ पेड़ो का हरा रंग (प्राकृतिक धातरीय) एल्युमिनीयम मैग्निशियम (फेरस सिलिकेट)

④ लाज वर्द या लेपिस लेजुली (एल्यूमिनीयक) सिलीकेट का एक पीलो सल्फाईड मिश्रण नीले रंग के लिए एव

⑤ चूना सफेद रंग के लिये उपयोग के गया रंगों के बन्धन का माध्यम रंगों को घोलने एवं लगाने के लिये वनस्पति मूल के जैविक पदार्थ गोन्द का उपयोग किया गया है।

Scanned with CamScanner

सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय

कुक्षी, जिला धार (म.प्र.)

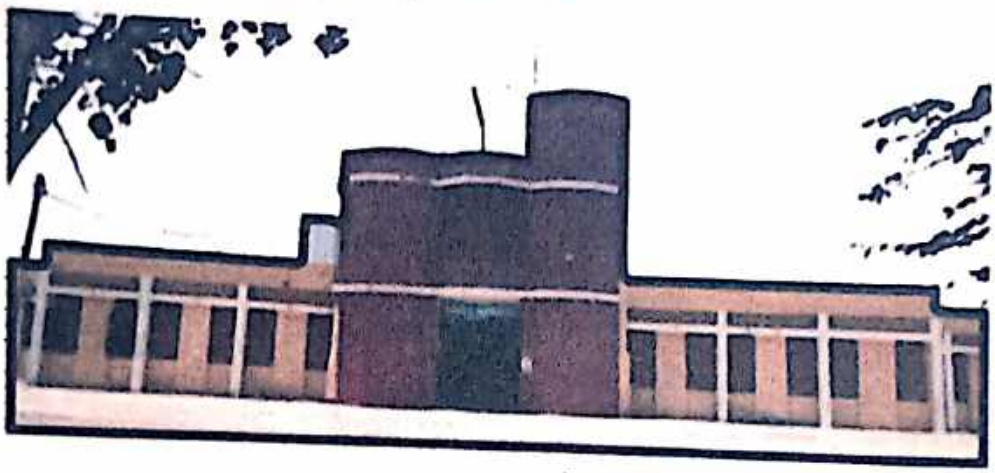

सत्र :– 2022–23

कक्षा :– एम.ए. – चतुर्थ सेमेस्टर

परियोजना कार्य का शीर्षक

–: बाघ गुफा :–

हस्ताक्षर मार्गदर्शक .... हस्ताक्षर विद्यार्थी ....

निर्देशन का नाम :–

डॉ. शिवलाल मुझाल्दा

सरदार वल्लभभाई पटेल शा. महाविद्यालय कुक्षी

विद्यार्थी का नाम :– सुमान निगं

अनुक्रमांक :– 210540241

मो. नं. :– 9111525250

Scanned with CamScanner

आभार

मैं सर्वप्रथम ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के चरणों में सादर वंदन हुँ, जिनके आर्शीवाद से मै इस शौध कार्य को पुर्णता प्रदान कर सका/सकी हूँ। तत्पश्चात मैं अपने शौध निर्देशक डॉ. एस.एस.मुझाल्दा (प्राध्यापक – इतिहास) सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय कुक्षी जिला धार (म.प्र.) की सबसे ज्यादा आभारी हुँ, जिनका उचित मार्गदर्शन मुझे प्राप्त हुआ है। और उनके मार्गदर्शन से ही मैं यह शोध कार्य पुरा हो सका/सकी हुँ।

मैं अपने पुज्यनीय माताजी एवं पिताजी के विशेष आभारी हुँ, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मुझें अपना सहयोग एवं सबल दिया है।

मैं अपने अध्ययन क्षेत्र के उत्तरदाताओं की सबसें अधिक आभारी हुँ। जिनके सहायोग के बिना यह कार्य सम्पन्न नही हो पाता।

अतः मैं, उन सभी महानुभवों का आभार व्यक्त करता/करती हुँ। जिनका प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष सहयोग इस कार्य में मुझें प्राप्त हुआ है।

सुभाष. निगंवल

[redacted]

Scanned with CamScanner

परियोजना कार्य का शीर्षक
Title of the Project

बाघ गुफा

कक्षा एवं सेकशन का नाम
Name of the Class & Section

M. A. IV Sem History

Project report submited to -

महाविद्यालय का नाम
Name of the College

Govt. College Kukshi

प्रेषक
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
बाघ गुफा जिला धार

हस्ताक्षर (निर्देशक) ....
Signature (Guide)

हस्ताक्षर विद्यार्थी ....
Signature (Student)

निर्देशक का नाम अशोक
Name of the Guide

विद्यार्थी का नाम सुभान निगवाल
Name of the Student

विद्यार्थी का अनुक्रमांक 210540241
Student's Roll Number

Scanned with CamScanner

बाघ गुफा में बौद्ध स्तुप

गुफा के भीतरी भाग में चैत्य गृह है जिसके भीतर एवं सांकरा ऊंचा स्तुप है।

स्तुप की ऊँचाई लगभग छत तक है ऐसा प्रतीत होता है मानो छत निचे आ गई हो अंबता स्तुप की ऊंचाई कालान्तर में बढाई गई थी चैत्य की बाहरी भित्तियों पर बड़ी - बड़ी की प्रतिमाए है किन्तु सि की प्रतिमाए है यह जान पाना कठिन था।

एक प्रतिमा की बाहरी रेखाओं से वह बुद्ध के समान प्रतीत होते है किन्तु सुक्ष्म लक्षणों की अनुपस्थिति मे यह बताना कठिन है कि वह बुद्ध है।

थपेडे खाती हुई मुर्तियाँ

इतने वर्षों में इन शिलाओं ने कितने जल सतह देखे यह इन शिलाओं की सतह की रचना स्पष्ट दर्शाति है गुफा के भीतर भी स्वच्छ जल का रिसाव आप अब भी देख सकते है।

सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीयमहाविद्यालय कुक्षी (म. प्र.)

सत्र - 2023

कक्षा : एम. ए. - चतुर्थ सेमेस्टर

परियोजना कार्य का शीर्षक

कम्प्यूटर के क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर

कार्यस्थल संस्था का नाम

सरदार वल्लभ भाई पटेल शा महाविधयालय कुक्षि

हस्ताक्षर मार्गदर्शक .....

निदेर्शक का नाम :-

डॉ एस.एस.मुझाल्दा

सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीयमहाविद्यालय कुक्षी

हस्ताक्षर विद्यार्थी

विद्यार्थी का नाम :-

रुपेश चौहान

अनुक्रमांक :- 210540213

मो. न. :- 8827085981

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कम्प्यूटर के क्षेत्र मे रोजगार के अवसर की जानकारी

सॉफ्टवेयर - हार्डवेयर नौकरी

1) वेब डेवलपमेंट
2) प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग
3) सॉफ्टवेयर टेस्टिंग
4) डाटा एंट्री ऑपरेटर
5) एकाउंटिंग क्षेत्र
6) कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एंड इंस्टालेशन
7) कंप्यूटर असेम्बली
8) सर्विस इंजिनियर

कंप्यूटर में रोजगार के अवसर

आज दुनिया के हर कोने में कंप्यूटर आपरेटर का बहुत मांग है और आज के समय में कंप्यूटर सर्वोच्च स्थान पर है इतना ही नहीं दुनिया के हर छोटे बड़े विपणन केन्द्र में केवल लेनदेन के लिए बल्कि हर चीज की निगरानी के लिए भी कंप्यूटर का उपयोग किया जाता है, ऐसे मामले

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. कृतिका मण्डलोई (विद्यार्थी का नाम) ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : Khushbu

नाम : खुशबु पाटीदार

पद : ब्यूटीशियन / मेकअप आर्टिस्ट

कार्यालय/संस्था : नारिश ब्यूटी पार्लर

स्थान : मन्दसौर

दिनांक : 27/May/22

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. kratika mandloi (Name of the student) has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: 28/05/22

Place: Nari beauty parlour

Signature: Khushbu

Name: khushbu patidar

Designation: .....

Office/Institution: Khushbu

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

विभाग 1:

1) प्रस्तावना

2) ब्युटी पार्लर क्या है?

3) थ्रेडिंग, थ्रेडिंग कि विधि

विभाग 2:

1) कैसे पहचाने स्किन का मिजाज

2) फेशियल ट्रीटमेन्ट

3) चार चरणो के माध्यम से स्किन ट्रीटमेन्ट

विभाग 3:

1) हेयरकट

2) बालो कि देखभाल

3) पोषण मिलेगा बालो को।

विभाग 4:

1) लिपस्टिक के प्रकार

2) लिपस्टिक लगाते समय सावधानियाँ

3) पेडिक्योर

विभाग 5:

1) नेलपॉशि नेलपॉलिश

2) नाखुनो कि खुबसुरती बनाये रखना

विभाग 6:

1) ब्राइडल मेकअप

2) ब्राइडल मेकअप लिस्ट

ब्यूटी पार्लर क्या है

Beauty parlour को beauty salon भी कहा जाता है, यह वह स्थान या फिर एक दुकान होती है। जहां Hairdressing, Make up जैसी इत्यादि क्रियाऐं कॉस्मेटिक उपचार के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा ब्यूटी पार्लर को आप एक ऐसी दुकान कह सकते हो, जिसे लोग अच्छा दिखने के लिए ढूंढ रहे होते है। ब्यूटी पार्लर वह स्थान है जहां स्त्रियो को आकर्षक बनाने का काम किया जाता है। ब्यूटी पार्लर कोर्स सिखने के लिए लगभग 45-60 दिन लगते है। जिसमे हमे ब्यूटी पार्लर से संबंधित बारीकियो को समझाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के लिए लगने वाले सामान

ायल करने के
ए कुर्सी

बाल काटने
कि मशीन

यर ड्रायर

स्ट्रेट मशीन

उपकरण ट्राली

हेड स्टीमर

Facial Bed

wall mirror

Pedicure Chair

Shampoo Chair

Salon Chair

Comb set

Shampoo

Conditioner

serum

Hair Clips

Scanned with OKEN Scanner

मॉइस्चराइजर

सनस्क्रीन

काजल और काउंडेशन

प्राइमर

कंसीलर या काउंडेशन

कॉम्पैक्ट

आईशैडो

मस्कारा

आईलाइनर

लिपस्टिक

नेलपॉलिश

परफ्यूम

कंघी या हेयर ब्रेश

सेफ्टी पिन

वेट टिश्यू

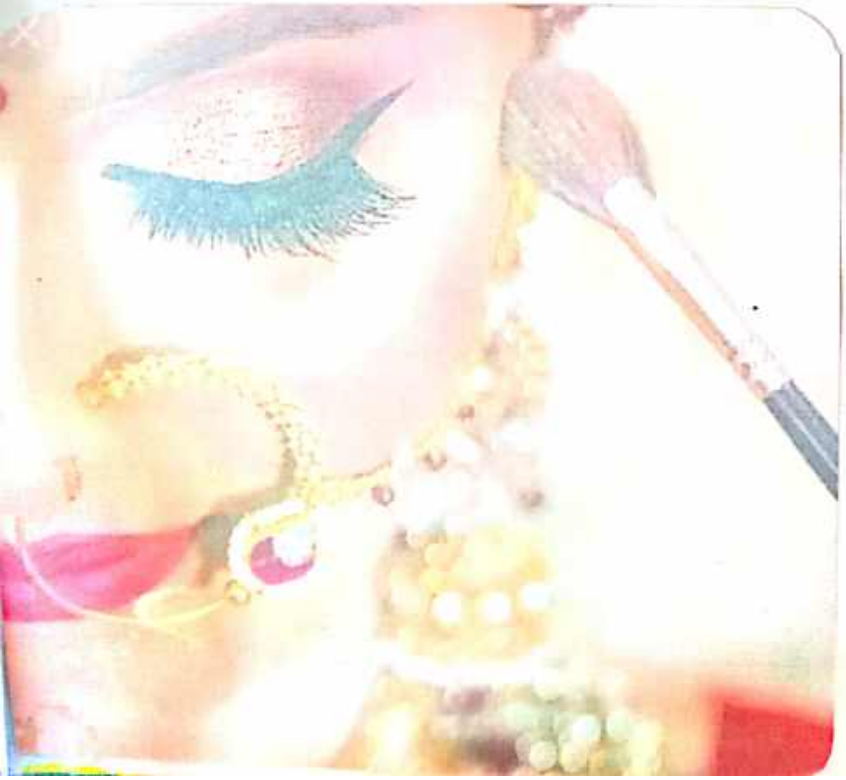

लिप बॉम

ब्लश

लिप लाइनर

मेकअप रिमूवर

बी-बी क्रीम

मेकअप सेटिंग स्प्रे

ब्यूटी ब्लेंडर

बिंदी

हाईलाइटर

पाउडर केस

"Makeup करने के फायदे"

1) मेकअप का चयन अपनी त्वचा के अनुसार करे।
2) मेकअप मे पोषक तत्व होते है।
3) बिना केमिकल के मेकअप का उपयोग।
4) त्वचा खरबी नहीं होती।
5) फेस पावडर से त्वचा पर धूल-मिट्टी नहीं चिपकती है।

Makeup करने के नुकसान

- सिर दर्द
- कील मुहांसे
- स्किन एलर्जी
- आँखो में संक्रमण

" संस्था द्वारा प्रमाण–पत्र "

प्रमाणित किया जाता है कि में यह नाम छात्र सुरेश रावत कक्षा एम.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर संस्था शासकीय माध्यमिक विद्यालय कुण्डारा में दिनांक 28.02.2022 से 28.03.2022 तक उपस्थित रहकर कार्य प्रशिक्षण किया ।

प्रधानाध्यापक
शा.माध्यमिक विद्यालय कुण्डारा
वि.खं. कुक्षी जि.धार (म.प्र.)

" कार्यालय प्रशिक्षण प्रतिवेदन निम्न जानकारी सहित "

1. कार्य का प्रकार – रोजगार (शिक्षक कार्य)

2. रोजगार प्राप्त करने का प्रतिशक्षण कार्य प्रोजेक्ट के अन्तर्गत प्राप्त एक माह प्रति दो घण्टे का प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए लाभप्रद रहेगा ।

3. आने वाली चुनोतियों उनसे निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदम

चुनौतियो :–

1. बी. ए. अच्छे अंको से उर्त्तीर्ण करना ताकी नौकरी पाने में प्राथमिकता मिले ।
2. नए माहौल में सामजस्य बैटाना ।
3. छात्र/छात्राओं को पूर्णतः सन्तुष्ट करना ।

कठिनाईयो :–

1. शुरूआत में छात्र/छात्राओं की संख्या कम थी ।
2. पढाने में झिझक महसुस हुआ।
3. छात्र/छात्राओं द्वारा पुछे प्रश्नों का जवाब देने में झिझक महसुस हुआ।

Scanned with OKEN Scanner

" कार्य स्थल प्रशिक्षण प्रतिवेदन का प्रारूप "

आगामी माह प्रगति का प्रारूप

विघार्थी का नाम	सुरेश रावत
कक्षा	एम.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर
पिता का नाम	कालुसिंह रावत
महाविघालय का नाम	शा.महा.विघालय कुक्षी जिला धार म.प्र.
विघार्थी का पता	ग्राम बिरलाई पो. कुण्डारा
तहसील	कुक्षी जिला धार(म.प्र.)
दूरभाषा / मोबाईल नम्बर	8889957639
कक्षा शिक्षक निर्देशक का नाम	डॉ. विरेन्द्र सोलंकी
कार्यस्थल प्रशिक्षण संस्था का नाम	शासकीय माध्यमिक विद्यालय कुण्डारा जिला धार (म.प्र.)

1. अंतिम माह अपेक्षित कार्य पूर्ण
2. पूर्ण किया गया कार्य उत्तम
3. आगामी माह की योजना अध्यापन कार्य

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षक

शिक्षा देने वाले को शिक्षक (अध्यापक) कहते है शिक्षिका (अध्यापिका) शब्द 'शिक्षक' (अध्यापक) का स्त्रीलिंग रूप है। यह एकवचन अथवा बहुवचन दोनों तरह से प्रयुक्त किया जा सकता है।

शिष्य के मन में सीखने की इच्छा को जो जाग्रत कर पाते हैं वे ही शिक्षक कहलाते हैं।

शिक्षक के द्वारा व्यक्ति के भविष्य को बनाया जाता है एवं शिक्षक ही वह सुधार लाने वाला व्यक्ति होता है। प्राचीन भारतीय मान्यताओं के अनुसार शिक्षक का स्थान भगवान से भी ऊँचा माना जाता है। क्योंकि शिक्षक ही हमें सही या गलत के मार्ग का चयन करना सिखाता है इस बात को कुछ ऐसे प्रदर्शित किया गया है. गुरुः ब्रह्मा गुरुर विष्णु : गुरु देवो महेश्वरः गुरुः साक्षात परम् ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः। कबीर कहते है. गुरु गोविन्द दोऊ खडे काके लागू पांय बलिहारि गुरु आपनो गोविन्द दियो बताय। शिक्षक आम तौर से समाज को बुराई से बचाता है और लोगों को एक सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति बनाने का प्रयास करता है

इसलिए हम यह कह सकते हैं कि शिक्षक अपने शिष्य का सच्चा पथ प्रदर्शक हैं।

हमारे जीवन में शिक्षक का महत्व

हमारे जीवन में हर समय शिक्षकों की अहम भूमिका होती हैं जो अपने ज्ञान के माध्यम से इस समाज के प्रति तैयार करते हैं और वह हमारे अंदर उस प्रत्येक हुनर का विकास करते हैं जो हमें भविष्य में सहायता प्रदान करता हैं इसीलिए आज आपको हमारे जीवन में शिक्षक का महत्व की जानकारी देंगे जिसमें आपको शिक्षक के महत्व पर निबंध, शिक्षकों के महत्व पर भाषण देने में भी सहायता मिलेगी। इसके अंतर्गत शिक्षक के महत्व पर शायरी भी उपलब्ध होगी। तो आइए हम यह जानने का प्रयास करते हैं कि हमारे जीवन में शिक्षक का क्या महत्व है

" गुरु कुम्हार शिष कुंभ है गढ़ि गढ़ि काढ़े खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट "

ऊपर के पंक्तियों में कबीर दास जी कहते हैं कि शिक्षक एक कुम्हार के तरह हैं और छात्र पानी के घड़े के तरह जो उनके द्वारा बनाया जाता और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है और इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है

इसलिए मैं अपने शिक्षक को इतना प्रेम करता हूं (खासतौर से उनको जो मुझे ज्यादा डांटते थे)। वो वह व्यक्ति है जो मेरे भविष्य निर्माण के लिए जिम्मेदार है

जब मैं एक छात्र था, तब मैं एक अंग्रेजी लेखक बनना चाहता था जब यह बात मैंने अपने दोस्तों और माता-पिता को बताया तो वह मुझ पर हंसने लगे क्योंकि मेरी अंग्रेजी काफी खराब थी मेरे शिक्षक हमेशा डांटते और सजा दिया।

Scanned with OKEN Scanner

5M

<u>सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र</u>

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुं. अनिल भिड़े .... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : ....

नाम : श्री भारतसिंह भिड़े

पद : प्रा. शिक्षक

कार्यालय/संस्था : शा. न. प्रा. वि. कोरय बड़वान

स्थान : NPS कोरयामक

दिनांक : 12-1-23

<u>Certificate of the Surveyed Institution</u>

This is to certify that Mr./Ms. .... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ....

Place: ....

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: ....

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम पंचायत का स्वरूप -

ग्राम पंचायत का सेस पंचायत राज अधिनियम, 2006 के प्रावधानुसार लगभग 7000 की जनसंख्या पर जिला दण्डाधिकारी (डी.एम.) द्वारा घोषित किया जाता है। ग्राम पंचायत मे एक या एक से अधिक गांव (राजस्व गांव) शामिल हो सकते है। मुखिया संबंधित ग्राम पंचायत के सभी मतदाताओ द्वारा प्रत्यक्ष रूप से मतदाताओ द्वारा बहुमत के आधार पर निर्वाचित होते है लगभग पांच सौ की आबादी पर एक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (वार्ड) का गठन होता है और प्रत्येक वार्ड से एक ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचित होता है। सभी वार्ड सदस्य अपने बीच से ही एक उप मुखिया का बहुमत से चुनाव करते है। इस मतदान मे मुखिया भी भाग लेते है। मुखिया, उपमुखिया और सभी वार्डो सदस्यो को मिलाकर ग्राम पंचायत का गठन होता है। ग्राम पंचायत का कार्यकाल प्रथम बैठक से पांच वर्ष तक का होता है।

ग्राम पंचायत एक परिचय -

73 वें संविधान संशोधन के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज मे प्रारम्भिक स्तर की संस्था "ग्राम पंचायत" सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। ग्राम पंचायत ही निर्वाचित प्रतिनिधियो की एक ऐसी संस्था है जिसे जनता के सामने सामने हो कर जवाब देना पड़ता है तथा अधिकांश कार्यकलापो के लिए निर्णय लेने हेतु पहले उनकी सहमति लेनी होती है।

ग्राम पंचायत की संरचना -

ग्राम पंचायत की संरचना मे निर्वाचित मुखिया, उप मुखिया एवं

प्रादेशिक निर्वाचित क्षेत्र के निर्वाचित सदस्य (वार्ड सदस्य) सम्मिलित होते है।

2-स्थान का आरक्षण -

प्रत्येक ग्राम पंचायत मे ग्राम पंचायत के सदस्यो (वार्ड सदस्य) के कुल स्थानो का 50% स्थान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित किए जाएंगे। अनुसूचित जातियो एवं अनुसूचित जनजातियो का आरक्षण पंचायत मे इनकी जनसंख्या के अनुपात मे होगा। पिछड़े वर्ग का आरक्षण अनुसूचित जातियो एवं अनुसूचित जनजातियो के लिए स्थानो के आरक्षण के पश्चात 20% तक होगा। आरक्षित एवं अनारक्षित श्रेणी मे 50% स्थान महिलाओ के लिए आरक्षित होगा। आरक्षण का यही नियम मुखिया पद हेतु होने वाले आरक्षण पर भी लागू है।

शपथ ग्रहण / प्रतिज्ञा लेना

निर्वाचन मे विजयी होने के उपरांत मुखिया उपमुखिया एवं प्रादेशिक निर्वाचित क्षेत्र के सदस्य (वार्ड सदस्य) को शपथ ग्रहण या प्रतिज्ञा लेना अनिवार्य है।

ग्राम पंचायत की अवधि -

ग्राम पंचायत अपनी प्रथम बैठक के तिथि से 5 वर्षो की अवधि तक रहेगी उससे अधिक नही।

मुखिया और उप मुखिया की पदावधि -

ग्राम पंचायत सदस्य के रूप मे शपथ ग्रहण / प्रतिज्ञा लेने की तिथि से यानी पांच वर्ष पूरा होते ही उनकी अवधि समाप्त हो जाएगी।

ग्राम पंचायत से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दु -

ग्राम पंचायत की बैठक का आयोजन किसके द्वारा कब किया जाता है?
ग्राम पंचायत की बैठक का आयोजन मुखिया द्वारा निश्चित तिथि एवं समय पर ग्राम पंचायत कार्यालय में ही माह में कम से कम एक बार निश्चित रूप से की जाती है।

ग्राम पंचायत के बैठक के आयोजन की क्या प्रक्रिया है?
ग्राम पंचायत के बैठक के आयोजन की निम्नलिखित प्रक्रियाएं हैं-

(1) अपने कार्यों के निष्पादन के लिए ग्राम पंचायत की बैठकों दो माह में कम से कम एक बार ग्राम पंचायत के कार्यालय में आयोजित किया जाना अनिवार्य है।

(2) मुखिया, जब भी वह उचित समझे तब, और ग्राम पंचायत के कुल सदस्यों की संख्या के कम से कम एक तिहाई सदस्यों के लिखित अनुरोध पर, ऐसा अनुरोध प्राप्त होने की तिथि से पन्द्रह दिनों के भीतर, किसी तिथि को ग्राम पंचायत की विशेष बैठक बुलाएगा।

(3) मुखिया, साधारण बैठक के लिए दूरे सात दिनों की नोटिस तथा विशेष बैठक के लिए दूरे तीन दिनों की नोटिस, जिसमें ऐसी बैठक का स्थान, तिथि और समय तथा बैठक में निपटाए जाने वाले कार्य निर्दिष्ट होंगे, ग्राम पंचायत सचिव द्वारा सदस्यों तथा ग्राम पंचायत के कार्यों से सम्बन्धित सरकारी पदाधिकारियों को दी जाएगी और ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट पर लगाया जाएगा।

(4) जिन पदाधिकारियों को नोटिस दी जाए, वे तथा संबंधित ग्राम पंचायत के खेड़ा या उसके किसी भाग पर क्षेत्राधिकार रखने वाले अन्य सरकारी पदाधिकारी ग्राम पंचायत की प्रत्येक बैठक में, तथा उसकी कार्यवाही में भाग लेने के हकदार होंगे,

आवश्यक होगी।
ग्राम पंचायत की बैठक की अध्यक्षता कौन करेगा?
ग्राम पंचायत की बैठक की अध्यक्षता सरपंच और उनकी अनुपस्थिति में उप सरपंच करेगा।
ग्राम पंचायत की स्थायी समिति -
स्थायी समिति क्या है? ग्राम पंचायत की प्रत्येक ग्राम पंचायत अपने कार्यों के प्रभावी निर्वहन हेतु छः स्थायी समिति बना ① योजना, समन्वय एवं वित्त समिति
② उत्पादन समिति ③ सामाजिक न्याय समिति
④ शिक्षा समिति ⑤ लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं ग्रामीण स्वच्छता समिति एवं ⑥ लोक निर्माण समिति का गठन कर सकेगी
ग्राम पंचायत की स्थायी समिति के क्या कार्य है
ग्राम पंचायत की स्थायी समिति के निम्नलिखित कार्य है -
योजना, समन्वय एवं वित्त समिति
धारा 22 में वर्णित विषयों सहित ग्राम पंचायत से संबंधित सामान्य कृत्यों को करने के लिए, अन्य समिति के कार्यों का समन्वय तथा अन्य समितियों के प्रभार में नहीं रहने वाले शेष कार्यों के सम्पादन के लिए
उत्पादन समिति
कृषि, पशुपालन, डेयरी, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन, वानिकी संबंधी प्रक्षेत्र खादी, ग्राम या कुटीर उद्योग एवं गरीबी उपशमन संबंधी कार्यों को करने के लिए।
सामाजिक न्याय समिति - अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों तथा कमजोर वर्गों के

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कु. ....रीनु चौहान.... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय / संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : ....विनिश रा....

स्थान : ..Kukshi....

दिनांक : ....

नाम : ....विनिश राठौड़....

पद : ....

कार्यालय / संस्था : कनक कम्प्यूटर अन्नपूर्णा कॉलोनी ,कुक्षी जि.धार प्रो विनिश राठौड़ 99936177.. फोटोकॉपी टोनर रिफिलिंग,टायपिंग

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ..Kukshi.....

Place: ....

Signature: ....विनिश....

Name: ....विनिश राठौड़....

Designation: कनक कम्प्यूटर

Office/Institution: अन्नपूर्णा कॉलोनी ,कुक्षी जि.धार प्रो विनिश राठौड़ 9993617707 फोटोकॉपी टोनर रिफिलिंग,टायपिंग

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	कम्प्यूटर का आविष्कार कब हुआ ?	
2.	कम्प्यूटर एक मशीन है-	
3.	कम्प्यूटर के प्रकार	
4.	कम्प्यूटर की पिढ़ीयाँ	
5.	इंटरनेट क्या है ?	
6.	इंटरनेट का विकास	
7	वर्ल्ड वाइड वेब (www) क्या है ?	
8.	इन्ट्रानेट क्या है ?	
9.	ई -मेल	

Scanned with OKEN Scanner

कम्प्यूटर एक मशीन है -

COMPUTER - संगणक

computer शब्द की उत्पति अंग्रेजी के compute शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है गणना करना

Computer का full form

C = Common
O = operating
M = Machine
P = Personally
U = used - for
T = Technical
E = Education
R = Research

परिभाषा :- " कम्प्यूटर एक ऐसी इलेक्ट्रानिक मशीन है जो सूचनाओं एवं आंकड़ों का संग्रहण करती है तथा दिये गये निर्देशों को प्राप्त कर उसकी शुद्धता एवं विश्वसनीय परिणाम प्रस्तुत करती है। "

कम्प्यूटर की विशेषताऐं

1 गति
2 संग्रहण क्षमता

Scanned with OKEN Scanner

Date: / / Page no:

स्वचालन
सार्वभौमिकता
शुद्धता
सहगामिता

TYPES of combutor

I digital combutor
vkmlaleg combuler
Hybrid comhller.

Digital combutor

mainyreame combutler
mani combuler
micra combutor.
super comlutor.

Diagram of combutor.

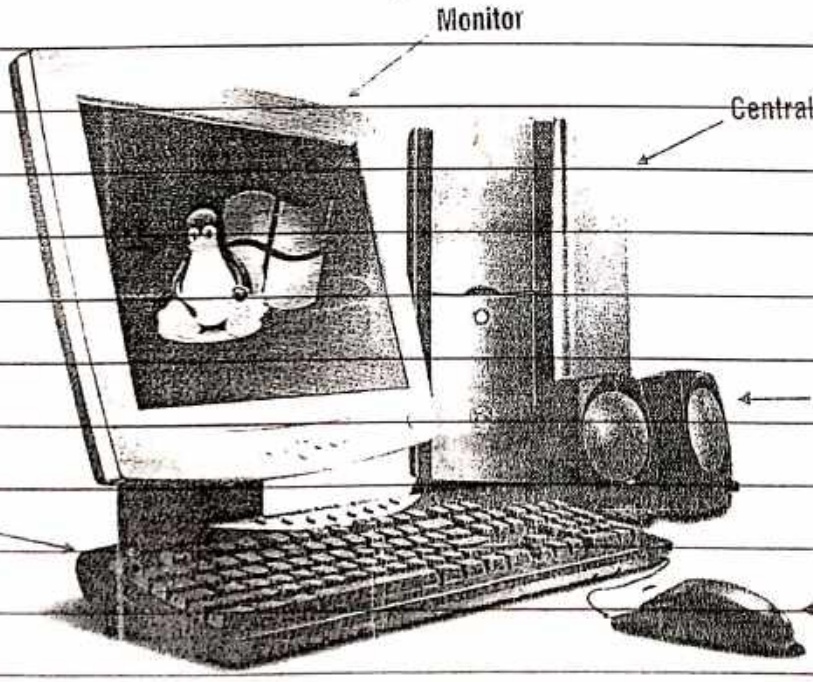

A personal computer

Scanned with OKEN Scanner

1. key board :— वर्तमान मे इनपुट के लिए यह सबसे अधिक प्रचलित माध्यम है। यह उपयोग करने मे अत्यन्त सरल तथा अधिक गति से इनपुट कर सकने वाला उपकरण है यह यंत्र टाइपराइटर जैसा होता है। प्रत्येक टाइप किया गया अक्षर केरेक्टर कम्प्यूटर की मेमोरी मे चला जाता है।

2 Monitor :— कम्प्यूटर का मॉनीटर टेलीविजन की तरह होता है। जब प्लेट मे किसी को दबाते है। तो वह स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जाता है। तथा दायी ओर खिसक जाता है। cursor एक छोटा अण्डर लाईन या डाबा space होता है जो केरेक्टर की position को इन्डीकेट करता है। मॉनीटर को स्क्रीन या सी॰आर॰ टी॰ भी कहा जाता है। मॉनीटर मे 80 केरेक्टर एक लाईन मे और 24 रंगीन कलर होते है।

CD-Rom :— कम्पेक्ट-डिस्क फ्लापी डिस्क व मैगनेटिक डिस्क की तरह ही धातु की एक अत्यन्त पतली गोल प्लेट होती है। जिससे संग्रहण क्षमता 650 mb अर्थात 452 फ्लापी डिस्क डिस्क की संग्रहण क्षमता के बराबर होती है। इनकी आन्तरीक संरचना फ्लापी के समान होती है तथा इसमे भी sector होते है। CD मे फ्लापी की उपेक्षा डोटर अधिक समय तक सुरक्षित रहता है एवं इसकी स्पीड से कई गुना अधिक होती है।

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. ....शेना उंवर.... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : ....बसन्ती....

नाम : ....

स्थान : ....

दिनांक : ....

पद : ....ग्रा.प.नि. अलोदा....

कार्यालय/संस्था : ग्राम अलोदा

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ....

Place: ....

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: ....

Scanned with OKEN Scanner

Topic

नीम का पेड़

परिभाषा ⇒ "नीम बहुतायत में पाया जाया जाने वाला वृक्ष है।" यह औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसलिए, आम जीवन में इसको खूब प्रयोग किया जाता है।
इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक कुछ अत्यन्त उपयोगी और व इसके प्रयोग अद्भुत होता है।
नीम के बीज को निबोली कहा जाता
नीम एक बहुत अच्छा वनस्पति है जो की भारतीय पर्यावरण के अनुकूल होता है।
आयुर्वेद में नीम को बहुत ही उपयोगी पेड़ माना गया है।

Date

Topic नीम की पत्तियों का लाभ

1] नीम की पत्तियों बिच्छु ततैया जैसे व विषैले कीटों द्वारा काट लेने पर नीम के पत्ते पीसकर उसका लेप करने से राहत मिलती है और जहर भी वहीं फैलता है।

2] किसी प्रकार का घाव हो जाने से यह नीम की पत्तियों लगाने से काफी लाभ मिलता है।

3] दाद या खुजली होने से नीम की पत्तियों को दही के साथ पीसकर काफी लाभ मिलता है।

4] गुर्दे में पथरी होने से नीम के पत्तों की राख को 2 ग्राम मात्रा में लेकर वह प्रतिदिन पानी के साथ लेने से यह पथरी गलने लगती है।

5] मलेरिया बुखार होने से नीम की छाल को पानी उबालकर, उसका काढ़ा बनाकर पीने से बुखार ठीक हो जाता।

6] त्वचा रोग होने पर नीम के तेल का प्रयोग करना लाभकारी होता है।

Scanned with OKEN Scanner

Date | | |

Topic नीम के उपयोग ⇒

नीम एक बहुत ही अच्छी वनस्पति है जो की भारतीय पर्यावरण के अनुकूल है और भारत में बहुतायत में पाया जाता। आयुर्वेद में नीम को बहुत ही उपयोगी पेड़ माना जाता है इसका स्वाद तो कड़वा होता है लेकिन इसके फायदे अनेक और बहुत प्रभावशाली होते है।

1] नीम की छाल का लेप सभी प्रकार के चर्म रोगों और घावों के निवारण में काम आते है।

2] नीम की दातुन करने से दांत और मसूड़े स्वस्थ रहते है।

3] नीम की पत्तियां चबाने से रक्त शोधन होता है। और त्वचा विकार रहित कांतिवान होता पत्तियाँ अवश्यक पाने के लिए कुछ खीना पड़ता है।

4] नीम की पत्तियों को पानी में उबाल कर उस पानी से नहाने से चर्म विकार दूर होते है और मे खासतौर से चेचक के उपचार में वह सहायक विषाणु को फैलाने न देने में उपयोग मिलता है।

Signature

Mahajan Stores, Barwani

Scanned with OKEN Scanner

Topic नीम की लकड़ी के औषधीय गुण =>

नीम की लकड़ी की दातुन करने से दांत व मसूढ़े मजबूत होते है, पायरिया, मुंह की बदबू नष्ट होती है
मसूढ़ो की सूजन, खून आना बन्द होता है, दांतो व मसूढ़ो की समस्त बीमारियों में इससे लाभ होता है।
इसके सेवन से कोई नुकसान नजर आये तो गाय का दूध या गाय का घी प्रयोग कर दुष्प्रभाव से मुक्त हो सकते है।

1] नीम की लकड़ी की दातुन करने से दांत व मसूढ़े मजबूत होते है, पायरिया मुंह की बदबू नष्ट होती है।

2] मसूढ़ों की सूजन, खून आना बन्द होते जाते है। दांतो व मसूढ़ो की समस्त बीमारियों इससे लाभ होता है।

3] देवी और शक्ति की उपासन में नीम का प्रयोग किया जाता है।

4] नीम की लकड़ी से हवन करने से शांति की शांति होती है।

5] नीम की दातुन करने से दांतों के किड़े भी मर जाते है

Mahajan Stores, Barwani

Scanned with OKEN Scanner

SARDAR VALLABH BHAI PATEL GOVT. COLLEGE, KUKSHI, DISTRICT-DHAR [M.P.]

E-mail ID: hegckukdha@mp.gov.in and govtcollegekukshi@gmail.com

Affiliated to Devi Ahilya University, Indore [M.P.]

Sr. No.	INDEX	Pages No.
1.	PROJECT WORK OF NON- FINAL YEAR STUDENTS	

Principal
Sardar Vallabh Bhai Patel
Govt College Kukshi. Dist.-Dhar

Dr. R. L. Garg

कार्य पूर्णता का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री / कु. प्रीति गोयल पिता श्री आनन्द गोयल कक्षा B.A.-Ist year महाविद्यालय सरदार वल्लभ भाई पटेल शा. महाविद्यालय कुक्षी जिला - धार द्वारा परियोजना / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 03/01/2023 से 18/01/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर परियोजना के क्षेत्र में कार्य किया / प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा / उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 12/01/2023

हस्ताक्षर एवं सील

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् कुक्षी जिला धार

स्थान कुक्षी

नाम श्री राजेन्द्र मिश्रा

पद मुख्य नगर पालिका अधिकारी

(1) प्रीति गोयल
(2) भारती बघेल
(3) पूजा मण्डलोई
(4) सीता मण्डलोई
(5) रीना भाकरे
(6) जया कुशवाहा

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्रं.	विवरण	पृष्ठ
I	फिल्ड प्रोजेक्ट होता क्या है?	1–3
II	फिल्ड प्रोजेक्ट का चयन कैसे करे?	4–7
III	फिल्ड प्रोजेक्ट की प्रासंगिकता क्या है?	8-10
IV	स्वच्छता अभियान एक अध्ययन झुंझुनू नगर परिषद् के विशेष संदर्भ में	
अध्याय–प्रथम		
1.0	स्वच्छ भारत अभियान का परिचय	11–13
1.1	स्वच्छ भारत अभियान का प्रारम्भ	14–16
1.2	स्वच्छता अभियान कब शुरू किया गया था	
1.3	स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्य	17–19
अध्याय–द्वितीय		
2.0	स्वच्छ भारत अभियान की आवश्यकता क्यों है।	20–21
2.1	झुंझुनू नगर मे स्वच्छता अभियान	
2.2	नगर परिषद् झुंझुनू के C.M.O. सर का इन्टरव्यू	21–22
2.3	स्वच्छता निरक्षक और अकाउन्टर का इन्टरव्यू	23–33
अध्याय–तृतीय		
3.0	श्री राजेन्द्र मिश्रा सर कचरा गाड़ी के बारे मे बताते हुए।	
3.1	परियोजना कार्य के मार्गदर्शक डा. दिलीप माहेश्वरी सर के साथ हमारा समूह	
3.2	मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं स्वच्छता परवेक्षक के साथ समूह	
3.4	पृथ्वीराज मार्ग कालोनी झुंझुनू श्री कैलाश चन्द्र सोलंकि जी से जानकारी लेते हुए।	
संदर्भ		

स्वच्छ भारत अभियान का आरम्भ

2 अक्टूबर 2014 को शुरू हुए इस अभियान का लक्ष्य गाँधीजी के 150 वीं जयंती, 2019 तक भारत को 'स्वच्छ भारत' करना था। इससे बड़ी गाँधीजी की ओर कोई श्रद्धांजलि नही हो सकती। क्योंकि उनका सपना था भारत को स्वच्छ और सुदृढ़ बनाना। इसकी जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि ग्रामीण लोगों के घरों मे शौचालय होते हुए भी वे जुले मे शौच की प्रकृति से मुक्ति दिलाना ही इसका प्रथम ध्येय है। इसके तहत सरकार ने गाँव - गाँव मे शौचालयों का प्रयोग करने की अपील भी की. और जरूरतमंद लोगो के लिए शौचालयों का निर्माण भी करवाया। लोगो को जाग-रूक करने के लिए सरकार ने जगह - जगह पर कैम्प लगवाये, नुक्कड़ - नाटक के माध्यम से शौचालयों के लाभ से परिचित भी करवाया गया।

स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत सरकार द्वारा देश को स्वच्छता के प्रतीक के रूप में पेश करना है। स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गाँधी के द्वारा देखा गया था जिसके संदर्भ में गाँधीजी ने कहा कि "स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी है" उनके अपने समय मे वो देश की गरीबी और गंदगी से अच्छे से अवगत थे इसी वजह से उन्होंने अपने सपनों को पाने के लिये कई सारे प्रयास किये, लेकिन सफल नही हो सके। जैसा कि उन्होंने स्वच्छ भारत का सपना देखा था, उन्होंने कहा कि निर्मलता और स्वच्छता

Scanned with OKEN Scanner

दोनो ही स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन का अनिवार्य भाग है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत आजादी के 67 साल बाद भी इन दोनो लक्ष्यो से काफी पीछे है। अगर आँकड़ो की बात करें तो केवल कुछ प्रतिशत लोगों के घरों मे शौचालय है, इसीलिये भारत सरकार पूरी गंभीरता से बापू की इस सोच को हकीकत का रूप देने के लिये देश के सभी लोगो को इस मिशन से जोड़ने का प्रयास कर रही है जिससे विश्व भर में ये सफल हो सकें।

इस मिशन को अपने प्रारंभ की तिथि से बापू की 150 वीं पुण्यतिथि (2 अक्टूबर 2019) तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस अभियान को सफल बनाने के लिये सरकार ने सभी लोगों से निवेदन किया कि वो अपने आसपास और दूसरी जगहों पर साल में सिर्फ 100 घंटे सफाई के लिये दें। इसको लागू करने के लिये बहुत सारी नीतियाँ और प्रक्रिया है जिसमें तीन चरण है, योजना चरण, कार्यन्वियन चरण, और निरंतरता चरण।

स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है जो भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है, इसके तहत 4041 सांविधिक नगरों के सड़क, पैदल मार्ग और अन्य कई स्थल आते है। ये एक बड़ा आन्दोलन है जिसके तहत भारत को 2019 तक पूर्णतः स्वच्छ बनाना है। इसमें स्वस्थ और सुखी जीवन के लिये महात्मा गाँधी के स्वच्छ भारत के सपने को आगे बढ़ाया गया है। इस मिशन को 2 अक्टू. 2014 (145 वीं जन्म दिवस) को बापू के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आरंभ किया गया है और 2 अक्टू. 2019 (बापू के 150 वीं जन्म दिवस) तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत के शहरी विकास तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के तहत इस अभियान को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रो मे लागू किया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्य

स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य 1.04 करोड़ परिवारों को लक्षित करते हुए 2.5 लाख सामुदायिक शौचालय, 2.6 लाख सार्वजनिक शौचालय और प्रत्येक शहर में एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधा प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के तहत आवासीय क्षेत्रों में जहां व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण करना मुश्किल है, वहाँ सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराना है। पर्यटन स्थलों, बाजारों, बस स्टेशनों, रेल्वे स्टेशनों जैसे प्रमुख स्थानों पर भी सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। यह कार्यक्रम पाँच साल की अवधि में 4401 शहरों में लागू किया जाएगा। कार्यक्रम पर खर्च किए जाने वाले 62,009 करोड़ रुपये में केंद्र सरकार की तरफ से 14623 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्यक्रम में खुले में शौच, अस्वच्छ शौचालयों को फ्लश शौचालय में परिवर्तित करना, मैला ढोने की प्रथा का उन्मूलन करना और स्वस्थ एवं स्वच्छता से जुड़ी प्रथाओं के संबंध में लोगों के व्यवहार में परिवर्तन लाना है।

आम जनता के सहयोग के बिना कोई भी कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता है। सरकार द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों में जन-सहभागिता उसके सुचारु रूप से कार्यान्वियन हेतु आवश्यक है। शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने हेतु सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे है, किन्तु जन-सहभागिता उनके सफल होने में आवश्यक है —

★ प्रत्येक व्यक्ति को घरों से निकलने वाले कचरे को कचरेदान मे ही डालना चाहिए एवं नालियो की उचित रूप से सफाई करवानी चाहिए। इसके लिए स्वयं जागरूक होकर अन्य लोगों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

★ सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं के प्रचार - प्रसार में प्रत्येक व्यक्ति को स्वेच्छा से योगदान देना चाहिए।

★ कहीं भी असामाजिक तत्व दिखाई देने पर तुरन्त पुलिस को सूचित करना चाहिए।

★ ग्रामीण क्षेत्रो मे परिस्थितिक रूप से सुरक्षित और स्थायी स्वच्छता को बढ़ावा देना।

★ आवश्यक टिकाऊ स्वच्छता सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय कार्यरत निकायों (जैसे कि समुदायों, पंचायती राज संस्थानों आदि) को प्रेरित करना।

★ ग्रामीण इलाको में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए समुदाय द्वारा अग्रिम पर्यावरणीय स्वच्छता प्रणालियों का प्रबंध करना।

★ भारत मे खुले मे शौच की समस्या को समाप्त करना अर्थात् संपूर्ण देश को खुले मे शौच करने से मुक्त (ओडीएफ) घोषित करना, हर घर में शौचालय का निर्माण, जल की आपूर्ति और ठोस व तरल कचरे का उचित तरीके से प्रबंधन करना है।

संस्था से कार्य पूर्ण होने के बाद

के बारे मे बताते हुए

Scanned with OKEN Scanner

स्वच्छता परवेक्षक एवं अकाउंटर इंटरव्यू

गिले कचरे और सूखे कचरे को अलग - अलग संग्रह किया जाता है। व कचरे की गाड़िया कुम्भी की हर एक गलि मे कचरा संग्रह करने जाती है। और यह एकट्ठा किया गया कचरा ट्रेंचिंग ग्राउण्ड मे फेंका जाता है।

स्वच्छता जागरुकता अभियान अन्तर्गत तकनीकी सहायता हेतु तकनीकी एजेंसी कार्यरत है।

लोगो को जागरुक करने के लिए नगर परिषद कुम्भी द्वारा स्वच्छता को लेकर कई बार नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिससे जनता पर स्वच्छता को लेकर कुछ परिवर्तन देखने को मिला है।

प्लास्टिक बंद को लेकर नगर परिषद कुम्भी द्वारा कई बार रैलिया निकाली गई है कई बार सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टरो, नर्स व स्कुल के विद्यार्थियों द्वारा भी प्लास्टिक बंद को लेकर रैलिया निकाली गई है परन्तु कुछ ही लोग इन गाइड लाइनों का पालन करते है और कुछ लोग इन बातों को हल्के में लेते है।

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. टिना दवाद पिता श्री अशोक दवाद कक्षा B.A. 1st year महाविद्यालय सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय महाविद्यालय कुक्षी द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 03/01/2023 से 18/01/2023 तक इस संस्था मे उपस्थित रह कर समय पर समय उपस्थित रहकर परियोजना के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 12/01/2023

हस्ताक्षर एवं सील

स्थान..............................

नाम हवरा कापड़िया

हवरा कापड़िया
मेंहदी कला विशेषज्ञ
ताहेरी मंजिल, सुसारी रोड
कुक्षी, जिला धार (म.प्र.)

पद..............................

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्रं.	विवरण	पृष्ठ
I	फिल्ड प्रोजेक्ट क्या होता है	
II	फिल्ड प्रोजेक्ट का चुनाव कैसे करे	
III	फिल्ड प्रोजेक्ट की पीर प्रासंगिता	
IV	फिल्ड में स्वरोजगार	
अध्याय–प्रथम		
1.0	मेंहदी कला किया है	
1.1	मेंहदी कला का इतिहास	
1.2	मेंहदी कला किसका प्रतिक है	
1.3	मेंहदी कला की डिजाइन	
अध्याय–द्वितीय		
2.0	मेंहदी कला के प्रकार	
2.1	मेंहदी कला के फायदे	
2.2	मेंहदी कला के लोग	
2.3	पश्चिमी संस्कृति में मेंहदी कला बढ़ती लोग प्रियता	
अध्याय–तृतीय		
3.0	भारतीय मेंहदी कला संस्कृति	
3.1	मेंहदी लगाने का बिजनेस कैसे करे	
3.2	मेंहदी कला विधशास्त्र	
3.4	फोटो ग्राफ !	
संदर्भ		

Scanned with OKEN Scanner

मेंहदी कला के क्षेत्र में स्वरोजगार

महरानी पुष्पामाला राजे पवार शासकीय कन्या महाविद्य में शिविर का आयोजन किया गया इसमें छात्राओं ने सिलाई कढ़ाई फैशन डिजाइनिंग मेंहदी रंगोली साहित्य अन्य कलाओं का प्रदर्शन स्टाल लगाकर किया !

महारानी पुष्पामाला राजे पवार शासकीय कन्या महाविद्यालय में उद्यमिता शिविर का आयोजन किया गया. इसके छात्राओं में सिलाई कढ़ाई फैशन, डिजाइनिंग, मेंहदी रंगोली साहित्य अन्य कलाओं का प्रदर्शन स्टाल लगाकर किया कार्यक्रम में अतिथियों में छात्राओं को जानकारी दी शिविर में विशेष रूप से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के विशेषज्ञ भी शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं को बताना कि वे कैसे अपनी कला के जरिए का कमा सकती है !

महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. जी.डी. सोनी ने कहा कि मेंहदी चित्रकारी, आदि कला के छात्राए आगे बढ़ सकती है. विशिष्ट अतिथि जिला व्यापार और उद्योग केंद्र के अधिकारी मंगल रेकवाल ने विशिष्ट खादी एवं ग्रामोद्योग

ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारी दिनेश श्रीवास ने छात्राओं से आग्रह किया कि खादी ग्राम उद्योग को बढ़ावा दे।

वर्ष में एक बार खादी का वस्त्र अवश्य खरीदें। शिविर में मार्केटिंग को लेकर छात्राओं को जानकारी दी गई शिविर में बताया गया कि बैंक से ऋण लेकर कैसे स्वरोजगार स्थापित किया जा सकता है विशिष्ट अतिथि बैंक आफ इंडिया, ट्रेनिंग सेंटर के खादी चेतन सोलंकी ने कहा कि सरकारी व निजी कंम्पनियो में नौकरिया के अवसर कम है। इसलिए स्वरोजगार स्थापित नौकरियां के अवसर कम है, इसलिए स्वरोजगार स्थापित करे।

व्यवसाय करने के लिए हुनर का होना जरूरी है, जो ट्रेनिंग सेंटर में सीखा जा सकता है, इसके पहले महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. वंदना मिश्रा. मुख्य अतिथि डॉ. एस. एस वेर अग्रणी महाविद्यालय देवास सहित अतिस्थित में शिविर का शुभारंभ किया।

मेंहदी कला के फायदे =>

मेंहदी एक खास प्रकार का पौधा है। जिसके पत्ते का पाउडर बनाकर उसका इस्तेमाल किया जाता है। मेंहदी के पौधे में अनेक स्वास्थ्यवर्धक गुण भी पाए जाते है और यह कई उपचार में भी काम आ सकती मेंहदी को भारत समेत दुनिया की कई संस्कृतियो के हाथो व पैरो पर लगाया जाने वाला एक श्रृंगार माना जाता है, मेंहदी का अंग्रेजी नाम हिना (Henna) है, और इसे लासनिया इनर्मिस (Lawsonia inermis) नामक पौधे के पत्ते को सुखाकर व उनका पाउडर बनाकर इसे तैयार किया जाता है, मेंहदी सिर्फ सजावट में ही नहीं इसका इस्तेमाल अनेक स्वास्थ्य समस्याओ का इलाज करने के लिए एक घरेलू उपचार के रूप मे किया जाता है।

मेंहदी मे पारंम्परिक चिकित्सा अनेक स्वास्थवर्धक गुण पाए जाते है, और हजारो सालो में पारंम्परिक चिकित्सा प्रणालियो मे इसका इस्तेमाल किया जा रहा है !!

मेंहदी पार्लर की डिजाइनिंग :-

अपने व्यवसाय को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के लिए आप आपने पार्लर में विभिन्न शैलियों की मेंहदी डिजाइन का विकल्प रखे !

कुछ मेंहदी डिजाइन निम्नलिखित है -

1) भारतीय शैली मेंहदी डिजाइन
2) अरेबिक मेंहदी डिजाइन
3) इण्डो अरेबिक मेंहदी डिजाइन
4) मुगलाइ मेंहदी डिजाइन
5) मोरक्कन मेंहदी डिजाइन

Scanned with OKEN Scanner

परिणाम ⇒

शुरू करने के लिए आप अपने क्षेत्र में सरकारी विभाग में संपर्क कर लाइसेंस और पंजीकरण के बारे में कुछ सकते हैं!

मेंहदी के स्वरोजगार से कमाई ⇒

वर्तमान परिदृश्य में मेंहदी कला के स्वरोजगार में अच्छी खासी कमाई है। आप अलग - अलग मेंहदी डिजाइन के हिसाब से अपने चार्ज लगा सकते हैं!

i) अगर हम मेंहदी कला में स्वरोजगार अर्जित करना चाहते हैं तो हमे क्या करना पड़ेगा!

ii) मेंहदी लगाने के स्वरोजगार में निम्नलिखित सावधानियों का ध्यान रखना आवश्यक है

1) मेंहदी लगाने का कार्य वही करे जो कस कला में माहिर है।

2) अपने क्लाइमर के साथ अच्छा व्यवहार करे!

3) अनुमन अधिकांश क्लाइमर अपने हाथ पर मेंहदी लगवाते हैं!

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. साक्षी पिता श्री पाटीदार कक्षा B.A. Ist year महाविद्यालय SVBP. Govt. Collage Kukshi द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 03-01-2023 से 18-01-2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर परियोजना के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 10-01-23

स्थान बाग

हस्ताक्षर एवं सील

नाम मोहम्मद बिलाल खत्री

पद राष्ट्रीय पुरस्कार/मास्टर क्राफ्टसमेन

MOHAMMED BILAL KHA... BAGH PRI... NATIONA...

(1) साक्षी पाटीदार
(2) रूपाली दायके
(3) काली मोरी
(4) हितेशा गोयल
(5) सपना डोडवे
(6) शारदा डोडव

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्रं.	क्र.	विवरण	पृष्ठ
I	1)	फिल्ड प्रोजेक्ट क्या होता है	
II	2)	फिल्ड प्रोजेक्ट का चयन कैसे करे ?	
III	3)	फिल्ड प्रोजेक्ट की प्रासंगिकता क्या है ?	
IV	4)	बाग मुफा प्रिंट फर्शन के क्षेत्र में स्वरोजगार	
अध्याय–प्रथम 9)			
1.0	5)	बाग प्रिंट का व्यवसाय परिचय	
1.1	6)	वस्त्रों की छपाई	
1.2	7)	वस्त्रों की छपाई का इतिहास	
1.3	8)	बातिक छपाई	
अध्याय–द्वितीय			
2.0	9)	बंधनी छपाई	
2.1	10)	छपाई की विधियाँ	
2.2	11)	छपाई की प्रथाएँ	
2.3	12)	छपाई की रंगाई प्रथा	
अध्याय–तृतीय			
3.0	13)	टेक्सटाइल प्रिंटिंग कैसे शुरू करें	
3.1	14)	मध्यप्रदेश में वस्त्र छपाई के दो बड़े केन्द्र	
3.2	15)	बाग प्रिंट के बारे में जानकारी	
3.4	16)	बाग प्रिंट के संचालक का इंटरव्यू	
	17)	महेश्वर की माहेश्वरी साड़ियों की जानकारी	
	18)	प्राचीन एवं मध्यकाल में वस्त्र प्रिंट	
संदर्भ	19)	मार्गदर्शक के प्रति आभार	

Scanned with OKEN Scanner

Date

Page No. 10

Tppic

वस्त्र प्रिंट के क्षेत्र में स्वरोजगार बाग प्रिंट के विशेष संदर्भ में

1) वस्त्र प्रिंट का व्यवसाय परिचय
2) वस्त्रों की छपाई
3) वस्त्रों की छपाई का इतिहास
4) बातिक छपाई
5) बंधनी छपाई
6) छपाई की विधियाँ
7) छपाई की प्रथाएँ
8) छपाई की रंगाई प्रथा
9) टेक्सटाइल प्रिंटिंग कैसे शुरू करें
10) मध्यप्रदेश में वस्त्र छपाई के दो बड़े केन्द्र
11) बाग प्रिंट के बारे में जानकारी
12) महेश्वर में माहेश्वरी साड़ियों की जानकारी
13) प्राचीन एवं मध्यकाल में वस्त्र प्रिंट
14) बाग प्रिंट के संचालक का इंटरव्यू

1) वस्त्र प्रिंट का व्यवसाय परिचय →

कपड़ा एक ऐसी चीज है, जिसे मनुष्य हर मौसम में खरीदता है। कपड़ा व्यापार कम लागत में शुरू किया जा सकता है। इसके अलावा कपड़े का बिजनेस शुरू करने से पहले यह जरूरी है कि आप इसके लिए एक विस्तृत और पूरी योजना बनाएं। आज के समय में मोबाइल, इंटरनेट आदि की सहायता से आप चंद दिनों में ही अपना व्यापार शुरू कर कपड़े बेचना शुरू कर सकते हैं।

प्राप्ति स्थान : विद्यार्थी, कुक्षी

Signature

Scanned with OKEN Scanner

Date

Tppic

i) यूनिफॉर्म मेंकिंग
ii) टी शर्ट प्रिंटिंग
iii) कढ़ाई बुनाई
iv) डिजाइनर साड़िया व्यवसाय
v) बच्चों के लिए डिजाइनर वस्त्र
vi) सिलाई सेवा
vii) सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग

यह व्यवसाय शुरू करने के मुख्य बिन्दु हैं।

2) वस्त्रों की छपाई →

वस्त्रों की के ऊपर निश्चित पैटर्न या डिजाइन के अनुसार रंग चढ़ाने की प्रक्रिया को वस्त्रों की छपाई कहते हैं। एक अच्छी छपाई वह है जिसमें रंग सूत के साथ एकाकार हो जाये ताकि घर्षण से या धुलाई करने पर भी रंग न छूटे। छपाई, रंजन से सम्बन्धित तो है किन्तु भिन्न कार्य है। रंजन की प्रक्रिया में सम्पुर्ण सूत को एक ही रंग से समान रूप से रंग दिया जाता है जबकि छपाई की प्रक्रिया में एक से अधिक रंग केवल कुछ चुने हुए स्थानों पर ही लगाये जाते हैं। प्रिंटिंग की क्रिया में काष्ठ के ठप्पे, स्टेंसिल, नक्काशी की हुई धातु की प्लेटें, रोलर या सिल्कस्क्रीन आदि का उपयोग किया जाता है। छपाई में प्रयुक्त रंजक इतने गाढ़े बनाये जाते हैं कि वे सूक्ष्मनलिका - क्रिया द्वारा फैल न सकें।

3) वस्त्रों की छपाई का इतिहास →

हमारे प्राचीन ग्रंथों में चित्रलेखा, चित्रांगदा, रंगशाला आदि शब्दों का प्रयोग यह सूचित करता है कि अलंकारिता की दृष्टि से रंगों का

प्राप्ति स्थान : विद्यार्थी, कुक्षी

Signature

Scanned with OKEN Scanner

Topic प्रयोग भारत में अत्यंत पुराना है। वस्त्र की बुनाई करते समय रंगीन सूत द्वारा नाना प्रकार के रंगबिरंगे चित्र बनाए जाते थे। इसके उपरांत उसे छपाई द्वारा रंगबिरंगें चित्रों से संवारा जाता था। प्लिनी के अनुसार "रंगाई व छपाई" का जन्म भारत से होकर मिस्त्र आदि देशों में ईसा पूर्व प्रचारित हो चुका था।

बातिक छपाई →

छींट, गत, बँधनी और बातिक आदि शब्द वस्तुतः छपाई की क्रियाविशेष के सूचक हैं। छींट और गत की छपाई यंत्रों से की जाती है। छींट में रंगीन भूमि कम और गत में लगभग सभी वस्त्र रंग-चित्रों से ढका होता है। बँधनी में कपड़े को डोरी से बाँध कर रंग के विलयन में रँगाई की जाती है। बातिक में मोम अथवा रोजिन का प्रयोग किया जाता है और कपड़े पर रंग की बहुलता होती है। छींट की छपाई में ही उत्पादन सबसे अधिक और व्यय सबसे कम हो सकता है। ये छपे हुए कपड़े प्रायः सभी प्रकार के व्यक्तिगत रुचि के अनुरूप तथा आकर्षक होते हैं। एक की दूसरे से तुलना कर किसी को घटिया और किसी को बढ़िया कहना बड़ा कठिन है।

5) बँधनी छपाई →

कपड़े की छपाई को दो भागों में बाँटा जा सकता है: 1) सिद्धांत, और 2) कार्यप्रणाली। सिद्धांत में वे सभी बातें आ जाती हैं जिनसे कपड़े पर पक्का रंग चढ़ता है। विधान- या व्यवहार में उपकरणों का उपयोग और यथार्थ उत्पादन आदि आदि आते हैं।

Topic परियोजना कार्य का नाम - बाग प्रिंट एक अध्ययन

बाग प्रिंट के संचालक के प्रति आभार →

प्रस्तुत परियोजना कार्य में बाग प्रिंट के संचालक श्री बिलाल खत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने व्यस्तम समय में से समय निकालकर हमें बाग प्रिंट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री बिलाल खत्री जी का व्यवहार सहयोगात्मक रहा। संचालक महोदय ने उनकी प्रिंट यूनिट के एक-एक सेगमेंट का हमें अवलोकन करवाया साथ ही साथ कपड़े की रंगाई किस प्रकार से होती है हमें विस्तार से बताया हम बिलाल खत्री जी के आभारी हैं जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से यह परियोजना कार्य अपना मूल स्वरूप ले पाया साथ ही साथ प्रिंट ~~करखाने~~ कारखाने में कार्यरत सभी कर्मियों का आभार व्यक्त करते हैं।

निश्चित तौर पर हमारे क्षेत्र में बाग प्रिंट में जो नाम और मुकाम हासिल किया है, वो हमारे जिले वासियों के लिए गौरव की बात है हम पुनः श्री बिलाल खत्री जी के हृदय से आभारी हैं।

काय पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. अमला चौहान पिता श्री नरेन्द्रसिंह चौहान कक्षा B.A Ist Year महाविद्यालय सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकिय महाविद्यालय कुक्षी द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 03/01/2023 से 18/01/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर परियोजना के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

MOHAMMED BILAL KHATRI
BAGH PRINT
NATIONAL AWARD

दिनांक 16/01/2023

Bilal
मोहम्मद बिलाल खत्री
हस्ताक्षर एवं सील

स्थान बाग

नाम..........

पद..........

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Content)

.क्रं.	विवरण	पृष्ठ
I	फिल्ड प्रोजेक्ट होता क्या है	
II	फिल्ड प्रोजेक्ट का चयन कैसे करे	
III	फिल्ड प्रोजेक्ट प्रासंगिकता क्या है	
IV	वस्त्र प्रिंट व्यवसाय का परिचय	
ध्याय–प्रथम		
1.0	वस्त्रो की छपाई	
1.1	वस्त्र की छपाई की इतिहास ।	
1.2	नालिक छपाई ।	
1.3	वैधानि छपाई ।	
ध्याय–द्वितीय		
2.0	छपाई की विधियाँ (4) ।	
2.1	छपाई की प्रथाएँ	
2.2	छपाई की रंगाई प्रथा ।	
2.3	टेक्सटाइल प्रिंटिंग बिजनेस कैसे शुरू करे ।	
ध्याय–तृतीय		
3.0	मध्यप्रदेश वस्त्र छपाई के बड़े केन्द्र	
3.1	बाग प्रिंट के संचालक का इंटरव्यू	
3.2	बाग प्रिंट के बारे में जानकारी	
3.4	महेश्वरी की महेश्वरी की साड़ियाँ के बारे में जानकारी ।	
	प्रयोग एवं मध्यकाल में वस्त्र प्रिंट ।	
दर्भ		

Topic

Date

Page No. 1

वस्त्र प्रिंट व्यवसाय का परिचय

मनुष्यों ने हजारों वर्षों से रंगीन, छपे हुए वस्त्र पहने हैं। कपड़े पर डिजाइन प्रिंट करने के कई तरीके हैं और इस पाठ में हम उनमें से कुछ का पता लगाने जा रहे हैं। लेकिन पहले आपको पता होना चाहिए कि छपाई से पहले कुछ पहले चरणों की आवश्यकता होती है। यदि कपड़ा अपना प्राकृतिक रूप रंग नहीं रहने दिया है अब वस्त्रों पर छपाई कैसे की जाती है। और आवश्यक उपकरण की तीन मुख्य श्रेणियों को देखते हैं।

वस्त्रों की छपाई

वस्त्र के ऊपर निश्चित पैटर्न या डिजाइन के अनुसार रंग चढ़ाने की प्रक्रिया को वस्त्रों की छपाई (Textile Printing) कहते हैं एक अच्छी छपाई वह है। जिसमें रंग सूत के साथ एकाकार हो जाय ताकि घर्षण से या धुलाई करने पर भी रंग न छूटे छपाई रंजन (dyeing) से सम्बन्धित तो है। किन्तु भिन्न कार्य है। रंजन की क्रिया में

LAKHOTIA

Teacher's Signature : _____

Scanned with OKEN Scanner

बातिक छपाई

छींट (chhintz), गत (Blotch), और बंधनी (Tie dyeing) शब्द वस्तुत: छपाई की क्रिया विशेष के सूचक हैं। छींट और गत की छपाई यंत्रों से की जाती हैं। छींट में रंगीन भूमि कम और गत में लगभग सभी वस्त्र रंगचित्रों से ढंका होता है। बंधनी में कपड़े को डोरी से। बंधनी में बातिक में मोम अथवा रेझीन का प्रयोग किया जाता है। एक की दूसरे से तुलना कर किसी को घटिया और किसी को बढ़िया कहना बड़ा कठिन हैं।

बंधनी छपाई

कपड़ों की छपाई को दो भागो में बाँटा जा सकता हैं: (1) सिद्धांत (principles) और (2) कार्यप्रणाली (Practice) सिद्धांत में वे सभी बातें आ जाती हैं जिनसे कपड़े पर पक्का रंग चढ़ता है। विधान या व्यवहार में उपकरणों का प्रयोग और यथार्थ उत्पादन आदि आते हैं।

प्रतिरोध (Resist) छपाई

कढाव में कपड़े को रंगकर तब उसका रंग काढा पर चढ़ाता है। किंतु प्रतिरोध प्रथा में कपड़े पर प्रतिरोधी पहले ही लगा लिया जाता है। तब सुखाने के बाद रंगाई की जाती है। प्रतिरोधी लगे स्थलों पर रंग नहीं चढ़ता। शेष सब कपड़ा भली प्रकार रंग जाता है। एक तो यांत्रिक, जो अपरिवर्तित भौतिक रूप के बिना किसी परिवर्तन के काम करते हैं। जैसे मोम, रेजिन, चीनी मिट्टी, जिंक ऑक्साइड, चर्बी, सीस, बेरिन सल्फेट आदि।

बातिक (Batik)

अनुमानतः यह संस्कृत शब्द "वातिक" से बना है, जिसका अर्थ बत्ती होता है। इस प्रकार में प्रयुक्त मोमबत्ती के आधार पर इसका यह नाम पड़ा है। मोम लगाकर कपड़े को बत्ती की भाँति लपेट कर रंगाई के लिए झुर्रियाँ (cracks) डाली जाती है, संभवतः प्रारंभ में यह डाली जाती है। विशेषकर पश्चिम में और अब केवल जावा इसका केन्द्र रह गया है।

Scanned with OKEN Scanner

Topic

Date
Page No. 13

बातिक की छपाई तकनीक मे जावा ने इस समय उतनी ही दक्षता प्राप्त कर ली है। जितनी अन्य देशे ने अन्य छपाई प्रथाओ में यद्यपी सिद्धांत की दृष्टि से कताव प्रथा का केवल अनुकरण कर क्रिया को विस्तृत करने और अलंकारिता में विशेषता लाने का प्रयत्न किया गया है फिर भी अब तक बातिक छपाई का कार्य प्रतिरोधन प्रथा की सीमा के भीतर ही होता है। रंग को कपड़े पर पहुँचने से रोकने के लिए मोम, राल और चावल, मैदा या स्टार्च की कभी एक बार रंग भेने के बाद उस जगह कूची से भी मोम भरी जाती है ताकि वहाँ रंग न पहुँच सके। तब रँगाई की क्रिया भी दुहराई जाती है। प्राचीन काल में रँगाई के लिए केवल वानस्पतिक रंग ही उपलब्ध थे। भाल की रँगाई में तेल लगाना, रंग स्थापक, उसको स्थायी करना आदि क्रियाएँ यथावत करके तब मोम से अलंकारिता की जाती थी और उसके बारे में रँगाई हुआ होती थी।

AKHOTIA

Teacher's Signature : ____________

कार्य पूर्णता का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. भारती पाटीदार पिता श्री वासुदेव पाटीदार कक्षा B.A. Ist. year महाविद्यालय सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय महाविद्यालय कुक्षी द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 03/1/2023 से 18/01/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर स्व. सहायता समूह के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 13/01/2023

हस्ताक्षर एवं सील

स्थान

नाम कानु अगाल्चा

पद अध्यक्ष

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्रं.	विवरण	पृष्ठ
I	महिला स्व-सहायता समूह क्या होता है ?	
II	महिला स्व - सहायता समूह का गठन कैसे होता है	
III	महिला स्व - सहायता समूह कौन-कौन से कार्य करते है	
IV	महिला स्व - सहायता समूह को कितना पैसा मिलता है	
अध्याय–प्रथम		
1.0	महिला स्व - सहायता समूह तहण की जानकारी	
1.1	महिला स्व - सहायता समूह के गठन सम्बन्धित मार्ग निर्देशिका	
1.2	स्व - सहायता समूह में रोजगार अथवा नौकरी	
1.3	महिला स्व - सहायता समूह ग्राम पंचायत अम्बाड़ा में कार्यरत	
अध्याय–द्वितीय	महिला स्व - सहायता समूह का नाम उनके पदाधिकारियों के नाम	
2.0	महिला स्व - सहायता समूह का गठन कब हुआ	
2.1	महिला स्व ग्राम पंचायत में क्या-क्या कार्य किए	
2.2	उसकी सूची	
2.3	महिला स्व - सहायता समूह की डायरी	
अध्याय–तृतीय		
3.0	महिला स्व - सहायता समूह के दोनो समूहो	
3.1	के अध्यक्ष का इंटरव्यू	
3.2	फोटो	
3.4		
संदर्भ		

Scanned with OKEN Scanner

3 महिला स्व सहायता समूह की प्रासंगिकता क्या है ?

=> आज भी 'स्व सहायता समूह' बहुत प्रासंगिक है। इन समूहो के माध्यम से सभी सदस्य अपनी सामूहिक बचत निधि से जरूरतमंद सदस्य को न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करते है। जिससे वह सदस्य स्थानीय आर्थिक गतिविधियो के माध्यम से अजीविका उपर्जन हेतु अपनी उद्यमशीलता को आकार प्रदान करता है।

4 महिला स्व - सहायता समूह क्या होता है ?

=> महिला स्व - सहायता समूह मे महिलाएँ को शामिल किया जाता है। इसमे सभी सदस्यो द्वारा मासिक आधार पर एक बराबर राशी तय की जाती है जिसे पदाधिकारियों तय की जाती है के पास जमा को अपने रजिस्टर मे दर्ज करते है। उसके बाद उस बचत को अपने नजदीकी बैंक मे जमा करते है। जहाँ उन्होने समूह के नाम बचत खाता खुलवाया है।

5 महिला स्व सहायता समूह का गठन कैसे होता है ?

=> 1 लगातार तीन - चार बार तक किसी ग्राम राजस्व ग्राम / टोले मे समुदाय के साथ राष्ट्रिय ग्रामीण अजीविका मिशन संबंधी जानकारी प्रदान के बाद जागरूक लक्षित वर्ग की महिलाओ (पर्वतीय क्षेत्र हेतु 5- 10 महिलाये तथा मैदानी क्षेत्र की स्थिती मे 10- 15 महिलाये) जो नियमित रूप से उपस्थित होती हो और स्वरूप समूह (affinity Group) का निर्माण

सहायता समूह के रूप मे ~~गठित~~ गठित किया जायेगा ऐसे महत्वपुर्ण व्यक्तियो पंचायतीराज प्रतिनिधियो 2 प्रतिष्ठत लोग राष्ट्रिय ग्रामीण अजीविका मिशन के कार्यो के प्रति रूचि दिखते हो या कम से कम इसके प्रति कोई विरोध / प्रतिरोध प्रदर्शित नही करते हो, का सहयोग समूहो के गठन हेतु लिया जायेगा।

6 महिला स्व-सहायता समूह कौन-कौन से कार्य करते है?

=) प्रदेश मे महिला स्व. सहायता समूहो द्वारा स्कुल मध्यान्ह भोजन, आंगनबाड़ी केन्द्र पूरक पोषण आहार कार्यक्रम आंगनवाड़ी केन्द्र के हितग्राहिा के लिए रेडी टु ईट एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकान संचालन के साथ-साथ विभिन्न कार्यो का कार्य किया जा रहा है। असंगठित ग्रामीण महिलाओ को संगठित करना।

महिला स्व-सहायता समूह को कितना पैसा मिलता है?

=) स्व-सहायता समूह को तीन महिना होने के बाद 1500 रूपये मिलेंगे इसके बाद समूह गठन को 6 महिने होने के बाद 15000 रूपये मिलेगे इसके बाद जो महिलाएं रोजगार करना चाहती है। उनको रोजगार के लिए 50000 से 110000 तक का लोन मिलेगा।

परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।
राज्य सरकार की अनेक योजनाएँ के जरिए ट्रांसफार्म रूरल इंडिया फाउंडेशन (TIRE) पिछले दो सालों से स्व - सहायता समूह की महिलाओं की मदद कर रहा है। यह फाउंडेशन इन महिलाओं को तकनीकी एवं वित्तीय प्रबंधन में सहायता करता है

स्व - सहायता समूह रजिस्ट्रेशन

ग्राम में स्व - सहायता समूह का रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। स्व - सहायता समूह के गठन के लिए आपको अपने गांव या क्षेत्र की समूह के गठन के लिए आपको समूह सखी का पता करना होगा। राष्ट्रीय आजिविका मिशन की तरफ से नियुक्त की गई सखी प्रत्येक ग्राम पंचायत या शहरी क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में समूह के गठन का आप स्वयं भी समूह गठन का कार्य करना चाहते हो तो कर

सकते है। स्व - सहायता समूह का गठन करने के लिए निम्नलिखित चरणो का अनुसरण करना होगा।

स्व: सहायता समूह गठन के लिए आपको गांव या शहरी क्षेत्र जहां भी आप रहती है। वहां पर आपको महिलाओ को समूह मे जुड़ने के लिए प्रेरित करना होगा।

इसके बाद आपको अपने समूह का नाम रख लेना होगा। जैसे तुलसी प्रेरणा समूह मे, जानकी प्रेरणा समूह इत्यादी।

समूह का नाम रख लेने के बाद समूह की महिलाओ को सप्ताह के किसी एक दिन प्रत्येक सप्ताह एक बैठक करनी होगी।

बैठक की जानकारी एक रजिस्टर मे नोट करनी होगी।

बैठक रजिस्टर मे नोट करना होगा समस्त हिसाब किताब जैसे की बैठक मे कितना धन जमा हुआ समूह की महिलाओ ने बैठक के दौरान कोन सी नई।

Date:
P. No:

दोनो समूहो के अध्यक्ष का इंटरव्यू

ग्राम पंचायत अम्बाड़ा मे एक समूह है।
कृष्णा समूह जितने सदस्य है कुल 14
सदस्य है और समूह का गठन 2013
मे गठन मे किया गया है
भगवती दुध डेयरी आदी कार्य किए

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. कृति गुप्ता पिता श्री विक्रम गुप्ता कक्षा B.Sc. IInd Year महाविद्यालय सरदार वल्लभ भाई पटेल शा. महाविद्यालय द्वारा परियोजना/प्रशिक्षण/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 15/04/24 से 30/04/24 तक इस संस्था उपस्थित रह कर डायबिटिज के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 15/04/24

.....

हस्ताक्षर एवं सील

स्थान जानकी पाली क्लिनिक
7, भैरव नगर
कुक्षी

Janki Diagnostic Centre
नाम 7 Bhairav Nagar, Kukshi

पद .....

Scanned with OKEN Scanner

INDEX

CONTENT	Page no.
• Introduction	1
• What is Diabetes	2
• Who should test themselves for diabetes ?	6
• Controlling diabetes	10
• Myths about diabetes	13
• Diabetes Care	15
• Diet in diabetes	16
• Exercise is medicine and fun too	20
• Medication	21
• Insulin injection	22
• Injection	24
• Hypoglycemia	25
• Diabetes and youth	27
• Epilogue	30

Scanned with OKEN Scanner

INTRODUCTION

Mankind knows Diabetes Mellitus since ages. Indian medical history madhumhea in charak samhita (500-700 BC) and has given description of this disorder in detail. The following shlok describes symptoms of diabetes. charak mentions a madhumehi person passes large amount of sweet urine.

In spite of knowing the disease for so long the reaction of the patient at the time of diagnosis brings a lot of unecessary despair. The moment of diagnosis brings a lot. It is frightening to the patient. But most of times this reaction is due to misconception about the disease. India is going to be country with largest diabetes population by year 2025. This would be apparent from following figure.

Rising prevalence of diabetes in India

year	Prevalence %	Place
1971	1.2	cuttack
1972	2.3	New delhi
1979	3.0	Multicentric
1984	4.7	Tenail
1988	5.0	kudremath
1992	8.5	Madras
1999	10-12	Multicentric

Scanned with OKEN Scanner

WHAT IS DIABETES ?

Millions of people have diabetes. Even children suffer from this disease. That is why I feel that you are fortunate that your disease has been diagnosed at the right time. This is one of the most widely studied researched and advanced area in medical field. At present there is no cure in any of the pathies for this disease. But with modern medical advancement you can definitely live near normal healthy life. we are here to add life to your life. We care for you and for your diabetes. Your cooperation is mandatory because a diabetic who knows the most about the disease faces least problems. In any disease it is said that half the battle is won by confidence to live with the disease gracefully and Confidence in this booklet Confidence to live with the disease and confidence to tackle your problems intelligently.

Glucose is essential for providing energy for normal body functions. In diabetes the blood glucose levels are increased due to relative or absolute deficiency of insulin. Insulin is hormone. A hormone is a chemical secreted by one of glands in our

Scanned with OKEN Scanner

body. This gland is situated in abdomen and is known as pancreas. Insulin acts as a gatekeeper that allows entry to glucose into the cell.

If the amount of insulin is abnormal. Or the function of insulin is at fault excess of glucose accumulates in the body with harmful effects on the cells of various organs. Diabetes is a metabolic disorder in which body is unable to handle glucose for its energy requirement As we have already discussed insulin is essential for entry of glucose in the cell that is why

1) cells can not adequately utilise glucose.
2) Body tries to produce more glucose. (gluconeogenesis.)

This is how blood glucose keeps rising even if there is no food intake. There are two major types of diabetes. The first type i.e. insulin dependent diabetes. It can be treated only with insulin as the main drug. This is common in younger age group of patients. The second type is non-insulin dependent diabetes (Type II). This is more common in India. This usually affect people above 40 years of age. This group can be managed with diet, exercise and oral medications. Some patient in this group may require insulin sometimes later in life.

Scanned with OKEN Scanner

HOW IS DIABETES DETECTED ?

Estimation and interpretation of blood glucose is the only test for diagnosis of diabetes. World Health organisation (WHO) has laid down guidelines for diagnosis.

Criteria for diagnosis of diabetes

Fasting Venous plasma glucose > 140 mg / 100 ml

and

Two hours after 75 gm ingestion of glucose > 200 mg / 100 ml

Recently, American diabetes Associations has accepted the fasting plasma glucose value as > 126 gm / 100 ml. for diagnosis of diabetes.

Scanned with OKEN Scanner

CONTROLLING DIABETES

What is the idea of control in Diabetes?

Basic idea of control is that the person should get relief from the symptoms also, blood biochemistry must be in an acceptable range so as to avoid acute and long term complications due to uncontrolled disease. It is important to know the fact that though the blood biochemistry prescribes normal range of values they may be little more or less without causing any alarms signals. Hence one should be aware of the concept of Acceptable controls.

Parameter	Good control	Acceptable control
Fasting plasma glucose	80 - 120 mg/dl	140 mg/dl
Post prandial plasma glucose	140 - 160 mg/dl	180 mg/dl
Glycated Hb	< 7 %	7 to 8 %
Total cholestrol	180 mg/dl	200 mg/dl
HDL cholestrol	40 mg/dl	35 mg/dl
Triglycerides	150 mg/dl	< 180 mg/dl

Scanned with OKEN Scanner

DIABETES CARE SCHEDULE

Every 3 - 6 Months

Regular visits to your doctor, it includes

- Test for plasma glucose levels
- Glycated Hemoglobin test (such as HbA1c)
- Examinations of injection site.
- Feet : examined without shoes & socks

Every year

- cholestrol : fasting profile including HDL & LDL cholestr and triglycerides.
- kidneys : microalbumin measured
- Eyes : examined through dilated pupils.

Every 2 - 3 years

- HDL / cholestrol : If the last reading was normal
- Number of visits to the doctor depend on the control of blood sugar.

Scanned with OKEN Scanner

DIABETES CARE

The golden rule of diabetes care is that "you are the most important person even more that the doctor in management of diabetes". Management of diabetes can best be described under following steps :

- Diet
- Exercise
- Oral medications
- Insulin injections

Let us get more formalized with these steps as they are going to play an important role in your goal. "living a healthy life with the disease.

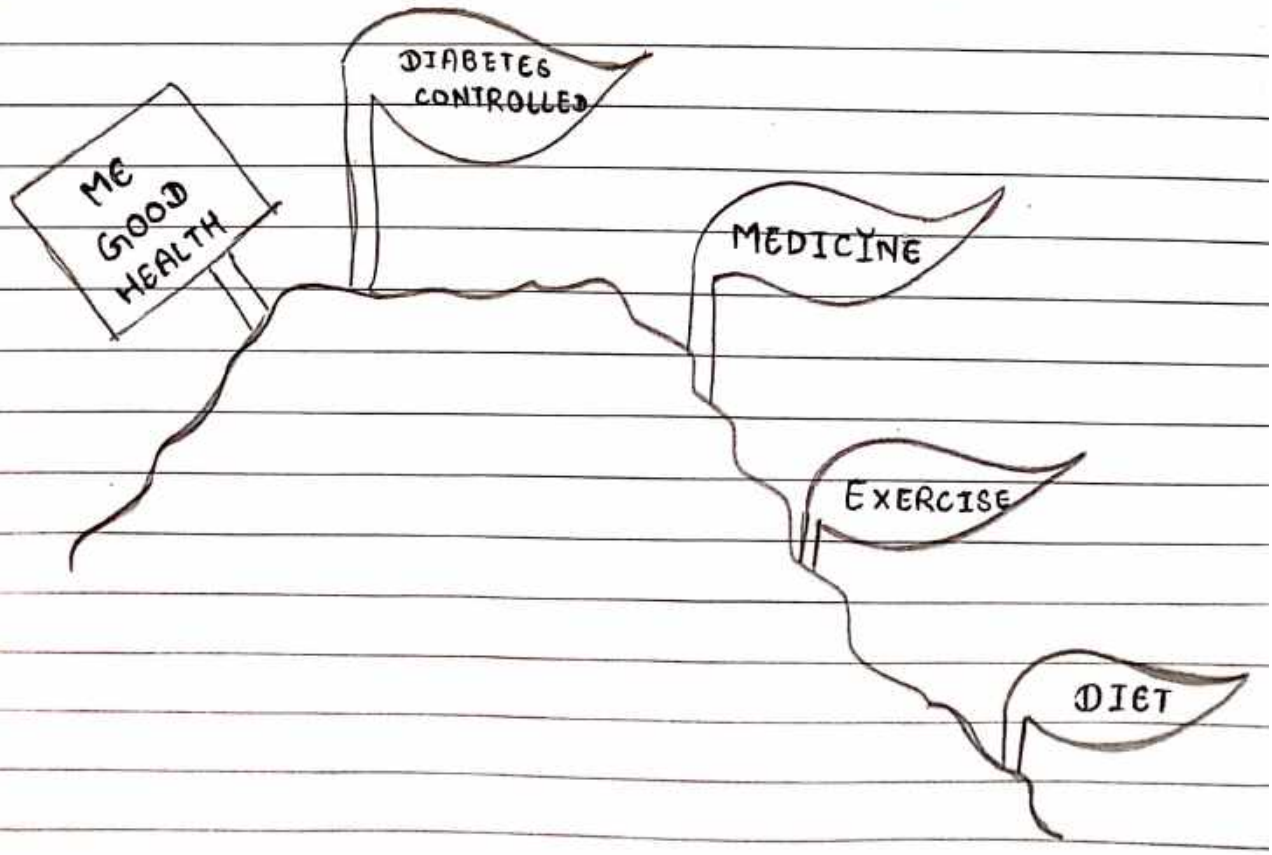

Scanned with OKEN Scanner

EPILOGUE

Now you should be convinced that diabetes is not the dreaded disease as it was thought to be decades before. your positive attitude towards the disease is very important what we require is little modification in your life style to make it more organized and disciplined.

Availability of artifical sweetner allows you to enjoy delicious food preprations. Newer injection devices and purer from of insulin have made life of diabetics more comfortable.

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. सारिता भिडे पिता श्री रमेश भिडे कक्षा बी. एससी. द्वितीय वर्ष महाविद्यालय स.व. भाई. प. शा. महाविद्यालय कुक्षी द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 04-3-2024 से 18-3-2024 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर लोहारी के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक..............................

हस्ताक्षर एवं सील

स्थान लोहारी

नाम ...-लोहारी ...

पद..............................

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्रं.	विवरण	पृष्ठ
I	नीम :- वानस्पतिक नाम, औषधिय उपयोग	01
II	पलाश :- वानस्पतिक नाम, कुल, औषधिय उपयोग	09
III	पीपल :- वानस्पतिक नाम, कुल, औषधिय उपयोग	12
IV	बरगद :- वानस्पतिक नाम, कुल, औषधिय उपयोग	18
अध्याय–प्रथम		
1.0	नीम का वानस्पतिक नाम	01
1.1	औषधिय उपयोग	01
1.2	धार्मिक उपयोग	03
1.3	नीम के फायदे	04
अध्याय–द्वितीय		
2.0	पलाश का वानस्पतिक नाम	09
2.1	पलाश का औषधिय उपयोग	09
2.2	पलाश के धार्मिक उपयोग	11
2.3	पलाश के लाभ	11
अध्याय–तृतीय		
3.0	पीपल का वानस्पतिक नाम एवं कुल	12
3.1	पीपल का औषधिय उपयोग	12
3.2	पीपल का धार्मिक उपयोग	13
3.4	पीपल से लाभ	14
संदर्भ		

Scanned with OKEN Scanner

(1) नीम (NEEM)

सामान्य नाम (common Name) :— नीम

वानस्पतिक नाम (Botanical Name) :— एजाडिरेक्टा इंडिका (Azadirchta indica)

कुल (Family) :— मेलिएसी (Meliaceae)

औषधिय उपयोग (Medicinal uses) :— ① नीम के डंडल का उपयोग दातून के लिए किया जाता है। जो दाँतो के लिए गुणकारी औषधि है। यह दंत रोगो व मसूड़े में प्रभावकारी है।

2. नीम की छाल का लेप सभी प्रकार के चर्म रोगो और घावो के निवारण मे सहायक है।

3. नीम की पतियाँ चबाने से रक्त शोधन होता है। और त्वचा विकार रहित और कांतिवान होती है।

4. नीम की पत्तियों को पानी मे उबालकर उस पानी से स्नान करने से चर्म रोग दूर होते है।

5. चेचक के उपचार व विषाणु फैलने से रोकने मे सहायक है।

Signature :

Scanned with OKEN Scanner

10. करीपता (KARIPATTA)

सामान्य नाम (Common Name) :— मीठी नीम

वानस्पतिक नाम (Botanical Name) :— मुराया कोनिगी (Murraya koenigii)

कुल (Family) :— रूटेसी (Rutaceae)

औषधिय उपयोग (Medicinal uses) :— करीपतों में मौजूद कार्मिनेटिव गुण गैस और सूजन जैसे कारकों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो सकते है। नमन बता रहे है। इससे मॉर्निंग सिकनेस की समस्या में भी आराम मिलता है। यदि आपको मितली आती है, तो खाली पेट इसे चबाने से आपको राहत मिल सकती है। सुबह इसका सेवन, मॉर्निंग सिकनेस और मितली को दूर करने में कारगर है। यह मासिक धर्म के मुद्दो, सुजाक, दस्त को हल करने मे मदद करता है। और करी पते को अपने नियमित आहार में शामिल करके दर्द को कम करता है।

Scanned with OKEN Scanner

इसमें औषधीय गुण एंटीडायबिटिज़ एंटीऑक्सीडेंट एंटीमाइक्रोबियल एंटीन्फ्लेमेटरी हिपैटोप्रोटेक्टिव, एंटी हाइपर कोलेस्ट्रोलेमिक पाए जाते हैं।
लंबे व स्वस्थ बालों के लिए भी लाभकारी है।

कड़ीपत्ता के फायदे (Benefits of karipatta) :

1. पोषक तत्वों से भरपूर

2. एंटीऑक्सीडेंट गुण

3. पाचन स्वास्थ्य

4. ब्लड में शुगर लेवल कम होना

5. बाल और त्वचा के लिए फायदेमंद है।

6. कुछ लोगों को करी पत्ता से नुकसान हो सकता है।

SHREE NAVNEET
Scanned with OKEN Scanner

Topic ______ Date: ______ P. No: ______

निष्कर्ष

(1) नीम :-

वानस्पतिक नाम :- एजाडिरेक्टा इंडिका

कुल :- मेलिएसी

नीम के डंठल का उपयोग दातुन के लिए किया जाता है। जो दांतो के लिए गुणकारी औषधि है। यह दंत रोगो व मसूड़े मे प्रभावकारी है।
डायबिटीज में नीम की पतियो का प्रयोग किया जाता है।
मलेरिया के इलाज में नीम के फायदे

(2) पलाश :-

वानस्पतिक नाम :- ब्युटिया मोनोस्पर्मा

कुल :- फेबेसी

पलाश के फूल प्यास को कम करने वाले कफ, पितनाशक उतेजनाकारक, डायबिटीज मे उपयोगी है। पलाश के फल स्तम्भक व प्रमेहनकारी होते है। पलाश की गोंद अम्लीयता (एसीडिटी) कम करने और शक्ति बढाने में मदद करती है।
ब्लड प्रेशर ठीक रहता है। कब्ज की दिक्कत दूर होती

(3) पीपल :-

वानस्पतिक नाम :- फाइकस रिलीजिओसा

कुल :- मोरेसी

इसके लिए पीपल के पेड की छाल का अंदरुनी

Scanned with OKEN Scanner

हिस्सा निकालकर सुखा ले। सुखे हुए इस भाग का चूर्ण बनाकर खाने से सास संबंधी सभी समस्याए दूर हो जाती है। इसके अलावा इसके पतो का दूध में उबालकर पीने से भी दमा में लाभ होता है।

(4) बरगद :-

वानस्पतिक नाम :- फिकस बेंघालेंसिस

कुल :- मोरेसी

बरगद के बीज दूधिया रस, छाल और हवाई जड़ो के नरम छोर का उपयोग होता है। इसके पतों का लेप फोड़े पर लगाया जाता है। दूधिया रस का दर्द, गठिया, अल्सर और पैरो की फटी एड़ी और तलवो पर लगाया जाता है।

(5) बबूल :-

वानस्पतिक नाम :- अकेशिया निलोटिका

कुल :- लेग्यूमिनोसी उपकुल :- माइमोसाइडी

इसकी छाल से उतम कोटि का गोंद निकलता है। जो औषधिय गुणो से भरपुर होता है। तथा इससे कई रोगो का उपचार किया जाता है। बबूल मुँह की बदबू, मसूड़ो का दर्द, बदबूदार पसीना, दांत का दर्द, सिर दर्द जैसी कई समस्याओ में फायदा करता है।

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. स्नेहा योगी पिता श्री अखिलेश योगी कक्षा B.SC II[nd] year महाविद्यालय स. व. भ. प. शासकीय द्वारा परियोजना/प्रशिक्षु /शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक................ से................ तक इस संस्था में उपस्थित रह कर टाइफाइड के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक................

हस्ताक्षर एवं सील

REVASHREE HOSPITAL & RESEARCH CENTER • KUKSHI •

स्थान कुक्षी

नाम................

पद................

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ
I	टाइफाइड क्या है?	
II	बैक्टीरिया क्या है?	
III	साल्मोनेला टाइफाइड के बारे में बताइए?	
IV	टाइफाइड की परिभाषा क्या है।	
अध्याय–प्रथम		
1.0	टाइफाइड बुखार के लक्षण बताइए	
1.1	टाइफाइड फैलने के कारण	
1.2	टाइफाइड की अवस्थाएं	
1.3		
अध्याय–द्वितीय		
2.0	साल्मोनेला के प्रकार	
2.1	टाइफाइड फैलने के कारण	
2.2	टाइफाइड की अवस्थाएं	
2.3	टाइफाइड बुखार होने का मुख्य कारण	
अध्याय–तृतीय		
3.0	साल्मोनेला के प्रकार	
3.1	टाइफाइड बुखार का निदान	
3.2	टाइफाइड (1) स्वच्छ पानी (2) हाथ धोना	
3.4	टाइफाइड से राहत पाने घरेलू उपाय	
संदर्भ		

Topic Typhoid fever क्या है।	Date : / /

Typhiod मोतीझरा और मियादी बुखार के नाम से भी जाना जाता है यह रोग दुनियाभर में एक bacteria के कारण होता है इस bacteria का नाम Samonella typhiod है यह रोग दूषित भोजन या पानी के सेवन से जिसमे Samonella typhi bacteria होता है या बैक्टेरिया से ग्रस्त व्यक्ति के निकटतम संपर्क से भी होता है औद्योगिक देशो में typhiod ज्वर बहुत कम होता है लेकिन यह विकासील देशो मे विशेष रूप से बच्चो के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है यह भारत में बहुत आम बीमारी है।

Typhiod एक संक्रमक रोग है हर वर्ष typhiod बुखार के कारण दुनिया मे लगभग 2 लाख से भी ज्यादा लोगो की मृत्यु होती है एक को हो जाए तो फिर उनका शरीर पहले जैसा नही रहता है उसके शरीर की कार्यप्रणाली बहुत कमजोर हो जाती है

Typhiod बुखार हर साल दुनियाभर मे कई लोगो को मौत के मुँह में पहुँचा देता है क्योंकि ज्यादातर बुखार के मरीज इसे आम बुखार समझ कर टालते रहते है

APPU

Topic Date : / /

Typhiod के प्रमुख कारण निम्न है।

(1) गंदा पानी पीने से :- ज्यादा दिन का रखा हुआ पानी या दूषित कुएँ का पानी पीने से यह virus हमारे शरीर में प्रवेश कर जाता है Typhiod बुखार का फैलना संक्रमित पानी और खाद्य पदार्थ से होता है।

(2) खराब भोजन खाने से :- ज्यादा दिन का या भोजन को खुले में रखने पर उसका सेवन करने से भी यह bacteria हमारे शरीर में प्रवेश कर सकता है।

(3) यात्रा करते समय :-

जब हम कही यात्रा (tour) पर जाते है तो वहाँ हमे मजबूरी में जैसा भी पानी व खाना मिल जाए उसे खाना पड़ता है तो ऐसी स्थिति मे भी यह bacteria हमारे शरीर में प्रवेश कर जाता है।

(4) सामान्य बुखार सर्दी जुकाम की देखभाल न करने पर सर्दी - खासी व सामान्य बुखार के आने पर इनको सही से देखभाल न करने पर यह bacteria शरीर पर हावी हो सकता है ज्यादातर लोगो को इसी कारण टाइफाइड बुखार आता है।

Scanned with OKEN Scanner

Typhoid fever होने के कारण
Salmonella typhi Bacteria

इस Bacteria की खोज सन् 1800 में की गई थी। Salmonella कई जंतुओ जैसे गाय, कछुआ, सुअर, कुत्ता, बिल्ली आदि में तथा मुर्गी, कबूतर में पाया जाता है।

यह एक Gramme negative bacteria होता है इसकी 2500 species पायी जाती है यह Rod shaped होता है इसमे Flagell पाए जाते है।

यह मनुष्य जंतुओ से मनुष्य में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनो रूपो मे पहुंच सकते है। प्रत्यक्ष रूप से जैसे - संक्रमित animals के meat व अंडे द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से यह Bacteria पानी भोजन द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से यह Bacteria, पानी भोजन द्वारा।

सभी Salmonella infections की आवश्यकता की शुरुआत Contaminated food & water के हमारे शरीर में प्रवेश से होती है शुरुआत में Gastrial acidity का संकेत होता है।

Typhiod of Salmonells :- यह दो प्रकार के प्रकार होता है।

1. Typhiod Salmonellosis
2. Non Typhioidal Salmonellasis

Scanned with OKEN Scanner

ज्यादातर इस्तेमाल होने वाली दवाईयां

(1) Ciprofloxacin :- Doctor अक्सर यह दवा लेने का सुझाव देते है यह दवा गर्भवती महिलाओ को नहि दी जाती है। परन्तु यह दवा लेने से पहले doctor से परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

(2) Ceftriaxone :-
यह antibiotic दवा injection जिन्हे ciprofloxacin नहि दिया जा सकता है जैसे छोटे बच्चे इन दवाओ के दुष्प्रभाव हो सकते है। और लम्बे समय तक इस्तेमाल करने से इसका प्रभाव हो जाता है।

Typhiod fever :- के लिए बाजार में बहुत दवाईयाँ उपलब्ध है नीचे यह सभी दवाईया दी गयी है लेकिन ध्यान रहे कि doctor से सलाह लिए बिना कोई भी दवाई नहि लेना चाहिए बिना doctor की सलाह से दवाई लेने से सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है यह सभी दवाईया निम्न है

Topic　　　　Date : / /

Brand name	Medicine name	Pack size
Alkemed Health Care Ltd.	Inhicef	Inhicef 500 mg tablet
Aupik Pharmaceticles Private Ltd.	Aaxim	Aaxim 500 mg tablet
Aborn Healt Care	Abactum	Abactum 500 mg tablet
About India Limited	Nico droxil	Nico droxil 500 mg
Abott India Limited	Ceedrox	Ceedrox dry Syrup

सब इलाजों में शामिल है।

(1) तरह पदार्थों का सेवन करते रहना चाहिए। यह पहले समय से रहने वाले बुखार और दस्त के कारण होने वाले निर्जलीकरण से बचाना है अगर आप गंभीर रूप से निर्जलित है तो आपको नसों द्वारा पदार्थ दिया जा सकता है

(2) सर्जरी :-> अगर टाइफाइड रोग से पचते Intestine के,

उपसंहार (Conclusion) :⇒ typhiod एक आम आकस्मिक रोग है इसके लक्षण का पता शुरुआत में नही हो पाता है अगर इलाज में देरी हो तो यह मनुष्य के लिए घातक सिद्ध होगा। यह Salmonella typhi से फैलता है इस fever से सिरदर्द, पेटदर्द, मांसपेशियो में दर्द, भूख कम लगना, आंतो मे अल्सर, कब्ज, दस्त व पेटदर्द शरीर में थकान, चपटे दोपहरे, गुलाबी रंग के धब्बे आदि लक्षण दिखाई दे रहे है। यह typhiod fever गंदा पानी पिने से खराब भोजन खाने से सामान्य जुकाम या बुखार देखभाल न करने आदि कारणो से फैलता है,

Salmonella typhi में 'O' & 'H' antigen होते है जिन्हे R(H) & B(H) कहा जाता है typhiod test का निदान सामान्यत: WIDAL test के द्वारा किया जाता है यदि इस test से antigen और antibody के बीच agglutination या clumping होती है तो positive result या clumping होती है इसके पश्चात doctor Retined को देते है Retinod द्वारा प्राप्त blood sample को smear prepare करके bacteria को microscope से observe करते है इस रोग का उपचार vaccine द्वारा किया जाता है आयुर्वेदिक घरेलू नुस्खे या antibiotic से

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री / कु. शिवानी बघेल पिता श्री सुरेश बघेल कक्षा B.S.C. II[nd] year महाविद्यालय श.व.भाई. प.शा.मा.वि. कुक्षी द्वारा परियोजना / प्रशि... / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 04/03/2024 से 18/03/2024 तक इस संस्था ... रह कर सुसारी के क्षेत्र में कार्य किया / प्रशिक्षण प्राप्त किया। इ... दौरान इनका अच्छा / उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

...न सुसारी

मुकेश धनगर

ग्वाला डेयरी उत्पाद
डही-रोड, सुसारी, कुक्षी
जि धार -454333 (म प्र
मोबा 989324784

नाम.....................

पद.....................

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्रं.	विवरण	पृष्ठ
I	"डेयरी या दुग्धशाला क्या है	1
II	दुग्ध की परिभाषा	5-6
III	डेयरी उद्योग क्या है	7
IV	डेयरी उद्योग के औद्योगिक प्रसंस्करण	5-9
अध्याय–प्रथम		
1.0	डेयरी अपादो में पोषकता	15-17
1.1	दुग्ध पैकिंग मशीनों का कार्य	19-20
1.2	डेयरी फार्म के कार्य	22
1.3	दुग्ध डेयरी के उद्देश्य क्या है	22
अध्याय–द्वितीय		
2.0	दुग्ध के क्या कार्य	23
2.1	दुग्ध में कितने विटामिन होते है	23
2.2	डेयरी फार्म से क्या लाभ है	25
2.3	दुग्ध के पाउच कैसे बनाते है	26
अध्याय–तृतीय		
3.0	दुग्ध के संगठन	
3.1	दुग्ध की फैक्ट्री	27
3.2	पैकेट वाला दुग्ध	28
3.4	दुग्ध का समांगीकरण	29
	डेयरी फार्मिंग बिजनेस	36-37
		38
संदर्भ		

Scanned with OKEN Scanner

॥ डेयरी या दुग्धशाला क्या है ।

देशों के बीच शब्दावली अलग अलग
है उदाहरण के लिए होता
है संयुक्त राज्य अमेरिका
में एक फार्म जहाँ दूध
निकालने का काम होता है
मिल्किंग पार्लर के नाम से
जाना जाता है न्यूजीलैंड में
ऐसी इमारत का ऐतिहासिक
नाम मिल्किंग शेड है हालांकि
हाल के कुछ वर्षों में प्रगतिशील
परिवर्तन के फलस्वरूप इन इमारतों
को फार्म डेयरी के नाम
से पुकारा जाने लगा है ।
कुछ देशों में विशेष रूप
से जहां पशुओं की संख्या
कम है उदाहरण के तौर
पर छोटे डेयरी के दूध
निकालने के साथ साथ एक
समाधान द्वारा दूध से मक्खन
चीज और दही बनाने का
काम होता है ।

॥ केसरी में क्या - क्या आता है

Products

1. दूध (फुल क्रीम , टोन्ड , स्किम्ड , लो - फैट)
2. दही
3. मक्खन
4. चीज / पनीर
5. क्रीम
6. कस्टर्ड
7. आइसक्रीम

" डेयरी की परिभाषा क्या है

डेयरी की परिभाषा मे गाय और बकरी जैसे स्तनधारियो के दुध और उत्पादित खाद्य पदार्थ शामिल है मुल रूप से यह किसी भी खाद्य उत्पादन को संदर्भित करता है जिसमे पनीर क्रीम मक्खन और दही शामिल है।

" दुध को डेयरी में क्या होता है

आमतौर पर दुध को स्टेनलेस स्टील के थोक टैंको मे एकत्र किया जाता है और प्रशितित टैंक ट्रको द्वारा प्रसंस्करण संयत्र तक पहुचाया जाता है यूरोप के कुछ हिस्सो मे पाइपलाइने दुध को खेत से पोध तक ले जाते है।

" दूध की आवश्यकता "

इंटरनेशनल डेयरी जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक यूनिवर्सिटी आफ मायने में किए गए एक शोध से यह बात साबित हो चुकि है कि जो लोग रोजाना कम से कम एक ग्लास दूध पीते है वे उन लोगो की तुलना मे हमेशा मानसिक और बौद्धिक तौर पर बेहतर स्थिति मे होते है जो दूध का सेवन नही करते है

" डेयरी फार्मिंग बिजनेस "

डेयरी फार्मिंग बिजनेस शुरू करने (Dairy forinig Buriness) के लिए जरूरी है कि आप बेहतर नस्ल की गाय भैंस खरीदे और उसकी डेयरी फार्मिंग बिजनेस मे आप सिर्फ रु 10.000 के निवेश से रु. 10.00.000 महीने तक की कमाई कर सकते है।

Scanned with OKEN Scanner

Topic   Date :   /   /

निष्कर्ष :—

दूध शरीर में एक नियामक भूमिका निभाते है तथा संतुलित पोषण तत्वो, ऊर्जा, और बायोएक्टिव सामग्री के उच्चतम गुणवत्ता स्रोत है महामारी विज्ञान के अध्ययन से ये पता चला है कि डेयरी पदार्थ का सेवन और व्यापकता या उपापचयी सिंड्रोम की घटनाओं के बीच सबंध है डेयरी फार्मिंग बिजनेस में आप सिर्फ 10.000 के निवेश से रु 1,00,000 महीने तक की कमाई कर सकते है। दूध को सम्पूर्ण आहार की श्रेणी मे रखा जाता है। दूध का नियमित और सही सेवन व्यक्ति को उपविन और स्वस्थ रखता है। दूध और अन्य डेयरी उत्पादन कैल्शियम फास्फोरस और विटामिन डी से भरपूर होते है ये सभी हड्डियों की मजबुती देने के लिए आवश्यक है जैविक आधार पर माता के प्रसव उपरान्त के स्त्राव को दूध में शामिलित किया गया है इसमें नवजात शिशु की आवश्यकतानुसार प्राकृतिक रूप से संगठनात्मक परिवर्तन होते है।

APPU SMART-222

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. सुरभि सस्त्या पिता श्री आगुसिह जी सस्त्या कक्षा B.Sc IInd year महाविद्यालय स. ब. भ. प. शासकीय द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक.................से.................तक इस संस्था में उपस्थित रह कर Typhaid (टाइफाईड) के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक.................

हस्ताक्षर एवं सील

HOSPITAL & RESEARCH CENTER

स्थान.................

नाम.................

पद.................

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Content)

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ
I	टाइफाइड क्या है?	
II	बैक्टीरिया क्या है?	
III	साल्मोनेला टाइफाइड के बारे में बताइए?	
IV	टाइफाइड की परिभाषा क्या है?	
अध्याय–प्रथम		
1.0	टाइफाइड बुखार के लक्षण बताइए?	
1.1	टाईफाइड फैलने के कारण	
1.2	टाइफाइड की अवस्थाएँ	
1.3	टाइफाइड बुखार होने का मुख्य कारण.	
अध्याय–द्वितीय		
2.0	साल्मोनेला के प्रकार	
2.1	टाइफाइड बुखार का निदान	
2.2	टाइफाइड ① स्वच्छ पानी ② हाथ धोना ③ आहार ④ रोगी	
2.3	टाइफाइड से राहत पाने के घरेलु उपाय	
अध्याय–तृतीय		
3.0	टाइफाइड के आयुर्वेदिक उपचार.	
3.1	ज्यादातर इस्तेमाल होने वाली दवाइयाँ	
3.2	टाइफाइड में क्या खाएँ	
3.4	टाइफाइड में क्या न खाएँ	
	बुखार में एक बार में कम भोजन खाएँ	
	टाइफाइड बुखार में व्यक्तिगत स्वच्छता बनाएँ रखें।	
संदर्भ		

Scanned with OKEN Scanner

Introduction

Topic ⇒ Typhoid fever क्या है?

Typhoid मोतीझरा और मियादी बुखार के नाम से भी जाना जाता है यह रोग दुनियाभर में एक bacteria के कारण होता है इस bacteria का नाम Salmonella Typhi है यह रोग दूषित भोजन या पानी के सेवन से जिसमें Salmonella Typhi bacteria होता है या बैक्टीरिया से ग्रस्त व्यक्ति के निकटतम संपर्क से भी होता है औद्योगिक देशों में Typhoid ज्वर बहुत कम होता है लेकिन यह विकासील देशों में विशेष रूप से बच्चो के लिए एक गंभीर स्वास्थय खतरा बना हुआ है यह भारत में बहुत आम बीमारी है Typhoid

Typhoid एक संक्रमाक रोग है हर वर्ष Typhoid बुखार के कारण दुनिया में लगभग 2 लाख से भी ज्यादा लोगो की मृत्यु होती है एक को हो जाए तो फिर उनका शरीर पहले जैसा नही रहता है उसके शरीर की कार्य प्रणाली बहुत कमजोर हो जाती है Typhoid बुखार हर साल दुनियाभर मे कई लोगो को मौत के मुँह मे पहुँचा देता है। क्योकि ज्यादतर बुखार के मरीज इसे आम बुखार समझ कर लापरवाह रहते है।

Typhiod के प्रमुख कारण निम्न है।

(1) गन्दा पानी पीने से :- ज्यादा दिन का रखा हुआ पानी या दूषित कुएँ का पानी पीने से यह virus हमारे शरीर में प्रवेश कर जाता है। Typhiod बुखार का फैलाव संक्रमित पानी और खाद्य पदार्थ से होता है।

(2) खराब भोजन खाने से :- ज्यादा दिन का या भोजन को खुले में रखने पर उसका सेवन करने से भी यह bacteria हमारे शरीर में प्रवेश कर सकता है।

(3) यात्रा करते समय :- जब हम कहीं यात्रा (Tour) पर जाते है तो वहाँ हमें मजबूरी में जैसा भी पानी व खाना मिल जाए उसे खाना पड़ता है तो ऐसी स्थिति में भी यह bacteria हमारे शरीर में प्रवेश कर जाता है।

(4) सामान्य बुखार सर्दी जुकाम की देखभाल न करने पर सर्दी खांसी व सामान्य बुखार के आने पर इनकी सही से देखभाल न करने पर यह bacteria शरीर पर हावी हो सकता है ज्यादातर लोगों को इसी कारण टाइफाइड बुखार आता है।

Scanned with OKEN Scanner

Procedure:-

(A) Rapid Slide test:-

1. WIDAL Kit अपलब्ध Slide जिस पर Splad rings बनी होती है, को अच्छे से साफ करते है।
2. उसके पश्चात पहले WIDAL Slide के 4 circle में 1-1 drap serum की लेते है। serum को Pipette की सहायता से डालते है।
3. उसके बाद antigen suspension अर्थात reagants O H A (H) BH की 1-1 drap Pipette की सहायता से serum में ring add
4. करते है उसके पश्चात contents को application stick द्वारा mix करते है एवं single को 1 मिनट के लिए मिलाते है। और घुमाते है ध्यान रहे कि दूसरे circle में applicator sticks के दूसरे सिरे से मिलाए।
5. फिर agglutination सम्पन्न होता है। तो titer को observe करने के लिए slide quantitative method का use करते है।

(B.) Quantitative slide test:-

1. WIDAL Kit में उपलब्ध Slide को dry एवं clean करते है।
2. उसके पश्चात test Slide की ring circle मे क्रमशः 5 ul, 10 ul, 20 ul, 40 ul, 80 ul, serum की लेते है

छेद हो गए है तो उन्हे सर्जरी द्वारा ठीक किया जा सकता है।

Typhiod का निदान या परीक्षण कैसे करे।

दूषित खान-पान के बाद उनमें मौजूद Salamella नामक bacteria intestine तक पहुंच जाता है Blood में Present White blood cell bacteria को खून में ले जाती हो जहाँ वह multiplication करते है इस समय के दौरान बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने लगते है Bacteria अब पित्त प्रणाली में आ जाता है और जहां आकर बहुत अत्यधिक मात्रा में गुणा करते है। इसके बाद bacteria आंत मार्ग से होते हुए blood sample द्वारा किया जाता है अगर परीक्षण ठीक नही आते हो blood या urine के sam से उसका निदान किया जाता है। urine के sample से उसका निदान किया जाता है

Typhiod में क्या खाएं।
(food to eat in typhiod)

(1) juice और soup जैसे बहुत सारे सरल पदार्थ और दुध आधारित पेय पदार्थ पीना चाहिए।
(2) दुध और दुध आधारित पेय पदार्थ पीना चाहिए।
(3) रिफाइंड अनाज (मैदा, सूजी आदि) और उनके उत्पादो जैसे कम फाइबर वाले पदार्थ घुली हुई दाल, साबूदाना, प्यूरी अच्छी तरह से पकाई हुई सब्जिया और उबला हुआ आलु आदि भी खा सकते है।

उपसंहार (Conclusion) :- Typhoid एक आम है इसके लक्षण का पता शुरुआत में देरी हो तो यह मनुष्य के लिए घातक सिद्ध होगा। यह Salmonella Typhi से फैलता है। इस Fever से सिरदर्द, पेटदर्द, मांसपेशियों में दर्द, भूख कम लगना, आंतो में अल्सर, लक्षण, लक्षण, दस्त बदनदर्द शरीर मे थकान, चपटे दोदरे, गुलाबी रंग के छत्ते आदि। लक्षण दिखाई दे रहे है। यह Typhoid Fever गंदा पानी पिने से खराब भोजन खाने से सामान्य जुकाम से फैलता है।

Salmonella Typhi मे 'O' & 'H' antigen होते है। जिन्हे R(H) & B(H) कहा जाता है Typhoid test का निदान सामान्यतः WIDAL test के द्वारा किया जाता है। यदि इस test में antigen और antibody के बिच agglutination या clumping होती है। इसके पश्चात doctor Patient को देते है। Patient द्वारा प्राप्त blood sample की smear prepare करके bacteria को microscope मे observe करते है।

इस रोग का उपचार Vaccine द्वारा किया जाता है आयुर्विदिक घरेलू नुस्के या antibiotic से

अ उपचार किया जा सकता है परन्तु यह ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी उपचार doctor के परामर्श के बिना नहीं करना चाहिए।

Typhiod में juice और soup दूध और उबला आलू protein युक्त पदार्थ आदि। खा सकते हैं हमे अधिक Fibre युक्त भोजन कच्ची सब्जियाँ, साबुन दाले व अनाज तला हुआ भोजन, हलवा धूम्रपान आदि को avoid करना चाहिए। हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. मयुर एण्ड ग्रुप पिता श्री.......

कक्षा B.Com 1st year महाविद्यालय स. व. भा. प. शा. महा. कुक्षी द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 2/1/2023 से 10/1/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर जे. के. क्वालिटी कॉटन इंडस्ट्री कुक्षी के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट-कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 6/2/2023

J.K. QUALITY COTTON INDUSTRIES KUKSHI

हस्ताक्षर एवं सील

स्थान कुक्षी

नाम अशोक सोनी

पद मेनेजर

Scanned with OKEN Scanner

Index

S.No		P.No.	Sin.
1.	प्रशिक्षुता कार्य का शीर्षक (Internship)	1-1	
2.	विद्यार्थी का मौलिकता घोषणा पत्र	2-2	
3.	पर्यवेक्षक / निर्देशक का अनुमोदन पत्र	3-3	
4.	संस्था / व्यक्ति / मार्गदर्शक द्वारा कार्यपूर्णता प्रमाण - पत्र	4-4	
5.	आभार - पत्र	5-5	
6.	वचन पत्र / ऑफर (प्रस्ताव) लेटर	6-7	
7.	अनुक्रमणिका	8-8	
8.	प्रशिक्षुता (Internship) कार्य का क्षेत्र	9-9	
9.	संस्था / व्यक्ति का विवरण	10-11	
10	किये गए कार्य का विवरण तथा उपयोगिता	12-12	
11.	उद्देश्य, प्रविधि, तकनीकों विवरण, कार्य प्रणाली	13-13	
12.	लक्षित प्रतिफल (Intended outcomes)	14-14	
13.	प्राप्त प्रतिफल (Achieved outcomes)	15-15	
14.	ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि	16-18	
15.	अनुप्रयोग (Application) समस्याएँ	19-19	
16.	निष्कर्ष एवं भविष्य की योजना	20-20	

Scanned with OKEN Scanner

प्रशिक्षुता (Internship) कार्य का क्षेत्र :-

कुक्षी शहर में कॉटन मील का बहुत बड़ा क्षेत्र है जो कि बड़ी-बड़ी मशीनो द्वारा किए गए निर्माण की बडी सुविधा है जो कि उस मशीन के सहारे आप कॉटन को रोल कर सकते है इसमें जो रोलिंग मशीन आती है वह 2 से 3 लाख में खरीदी जाती है। इस बिजनेस में हम कॉटन की ही सप्लाई करके मार्केट में बिजनेस करने के लिए बेचते है। इसमें आप पर निर्भर करता है कि आप किस स्तर से यह बिजनेस शुरू करते है क्योंकि उसके आधार पर ही आप कच्चा माल और इस से सम्बन्धित सभी चीजों पर निदेश करता है। इस बिजनेस को करने के लिए मार्केटिंग की जरूरत होती है जो कि हमारे जीवन के लिए आवश्यक है हमारे आर्थिक सुधार के लिए हमे बिजनेस की आवश्यकता होती है जो कि हमारे जीवन के लिए लाभदायक होता है और इस कॉटन मील से कई लोगों को रोजगार प्राप्त होता है।

Scanned with OKEN Scanner

यह कॉटन मिल कुक्षी शहर के सिघाना रोड़ पर स्थित है इस संस्था की स्थापना सन 1997 में हुई है। जो कि आज भी बहुत बडी संस्थाओं मे शामिल है यह कॉटन मिल एकड़ तक फैला हुआ है इसमे लगभग 5 लोग वहा पर काम करते है जो कॉटन 80-100 को सॉफ कर हमें चीजों की सुविधा प्रदान करते है यहाँ पर कोई भी कम्पनी ऑडर देने के लिए आती है तो पहले एक-दो किलो कॉटन का सिम्पल लेकर जाती है वह कॉटन को देखकर लाखों का ऑर्डर देती है। यह कम्पनी कई सालो से चली आ रही है

Scanned with OKEN Scanner

इस कॉटन मिल मे कई तरह की मशीनो की सुविधाएँ है जो कपास को इकट्ठा कर उसमे से अपशिष्ट पदार्थ को अलग कर देती है और वहा पर जो कपास मे से अपशिष्ट निकलता है उसे दुसरे कामों मे लिया जाता है जैसे :- फार्म की शीट, गद्दे, तकिये इत्यादि चीजों मे उपयोग किया जाता है। वहा की मशीनो का उपयोग कई चीजों मे किया जाता है जैसे :- कपास से अपशिष्ट पदार्थ को अलग करना और कपास के छिलको को अलग करना और उन छिलको से खल बनाना। जो पशुओं के काम आता है जो साफ कपास रहता है उसे बाहर विदेशो मे पहुचाया जाता है और विदेशो मे माल निर्यात किया जाता है तो उसे कई चीजों मे उपयोग किया जाता है :- जैसे :- टी-शर्ट, बनियान, अंडरवियर, रूमाल, गमछा जैसे कपड़े बनाए जाते है।

'उद्देश्य'

इस मिल का उद्देश्य लाभ कमाना भी है साथ ही इस कॉटन मिल का उद्देश्य जनताओं को सुविधा प्रदान करना है जो कि वह कॉटन से कई चीज बनाकर उसे अपने में उपयोग कर सकते हैं। कॉटन की खेती हमारे देश के कई हिस्सों में की जाती है तथा इसकी खेती उसी जगह पर होती है जहाँ पर काली मिट्टी अधिक मात्रा में पाई जाती है कॉटन को कपास के नाम से भी जाना जाता है।

प्रक्षित प्रतिफल

इस मिल का लक्ष्य प्रतिवर्ष लगभग करोड़ का होना है, जो इसे पूरा करने मे पूरी टीम कार्यरत रहते है इस मिल में अनेक मशीनों अपने पूरे कार्य में एकीकृत कर इसे प्रतिफल प्रदान करती है जो कि इस मिल मे लाभ प्रदान होता है इस कंपनी के नाम का लेबल लगाकर मार्केट मे सप्लाई करते है तो इस बिजनेस को शुरू करते समय कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है आने वाले समय मे इस कॉटन मिल का प्रमुख स्थान रहेगा ।

Scanned with OKEN Scanner

प्राप्त प्रतिफल (Achieved OutComes)

यह एक ऐसा प्रोडक्ट है जिसकी डिमांड पूरी साल एक जैसी बनी रहती है और मार्किट मे इस प्रोडक्ट की डिमांड हमेशा बनी रहती है। यदि मार्किट के अन्दर अपना Cotton ज्यादा से ज्यादा बेचना है, तो तब Area Analysis (क्षेत्र विश्लेषण) किया जाता है उस टाइम मार्किट में Cotton का रेट और क्वालिटी दोनो चीज चेक करनी चाहिए।

उस हिसाब से अपना रेट सैलेक्ट करें जिस से आपके Cotton की ज्यादा डिमांड हो और अपने ब्रांड का ऐसा नाम रखे जिस से आसानी से लोग याद रख सके और ऐसा Cotton कस्टमर को प्रोवाइड करे की लोगों में विश्वास बढ़े। फिर कंपनी के नाम का लेबल लगाकर मार्केट में सप्लाई कर सकते है। तो आप इस बिजनेस को बिना किसी जोखिम के शुरू कर सकते है और साथ ही इस से अच्छा मुनाफा कम से कम 1 से 2 करोड़ कमा सकते है।

निष्कर्ष एवं भविष्य की योजना

हम सभी टीम के व्यक्तियों का कहना हैं कि भविष्य में कुक्षी शहर में कॉटन मील का निर्माण होना चाहिए।

साथ ही हम सब यह निर्णय लेने हेतु सक्षम रहे कि भविष्य में हमारे द्वारा यह कार्य प्रारम्भ किया जाए। ताकि शहर में बेरोजगारी को कम किया जा सके।

Scanned with OKEN Scanner

खल-मशीन

हाई-बॉक्स मशीन

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. सिद्धी पाटीदार पिता श्री नाथूराम पाटीदार कक्षा Bcom 1st year महाविद्यालय सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 21/1/2023 से 7/2/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर साई संचय साख सहकारी संस्था मर्यादित सुसारी के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

शैलेन्द्र लड्ढा

अध्यक्ष
सांई संचय साख सह संस्था मर्या.
सुसारी तह. कुक्षी जि. धार

दिनांक 7/2/2023

हस्ताक्षर

स्थान सुसारी

नाम शैलेन लड्ढा

पद अध्यक्ष

Index

No.	Particulars	Page No.
1.	Introduction	1
2.	Internship	2
3.	Benefits of Internship	2 - 3
4.	Introduction to Vehicle loan department	3
5.	Required documents for Vehicle loan	4
6.	Hire Purchase	5
7.	Hire Purchase letter	6.
8.	Conclusion	7

Scanned with OKEN Scanner

Introduction

A Bank is a financial institution that accepts deposits from the public and creates a demand deposit while simultaneously making loans.
Lending activities can be directly performed by the bank or indirectly through capital markets.

Whereby banks play an important role in financial stability and the economy of a country, most jurisdictions exercise a high degree of regulation over banks. Most countries have institutionalized a system known as fractional reserve banking, under which banks hold liquid assets to only a portion of their current liabilities.

Scanned with OKEN Scanner

Internship.

An internship is a professional learning experience that offers meaningful, practical work related to a student's field of study or career interest. An internship gives a student the opportunity for career exploration and development, and to learn new skills.

★ Benefits of Internship.

1) Job experience
2) Research experience
3) Access to a variety of tasks and departments
4) Mentorship
5) Help guide career goals
6) Create a professional network

Scanned with OKEN Scanner

7) Build a strong resume

8) Secure good references and recommendations

9) Transitions to a permanent job

10) Build Confidence

Vechile Loan Department

A Vehicle loan is a loan that allows you to purchase two and four wheelers for personal use.

Typically, the lender loans the money (making a direct payment to the dealer on the buyer's behalf) while the buyer must repay the loan in Equated Monthly Installments [EMIs] over a Specific tenure at a specific interest rate.

Scanned with OKEN Scanner

Vehicle loan Interest is 16%

Required documents for Vehicle loan

Document	Requirement
Identity Proof	Aadhar card PAN Card Passport Size photo Voter ID Driving licence
Address Proof	Aadhar card Voter ID Driving licence Ration Card Utility bill (Telephone, Electricity, or water) Life Insurance Policy.

Scanned with OKEN Scanner

Hire Purchase

Hire Purchase is a way to finance buying a new or used Car. You usually pay a deposit and pay off the value of the Car. This means you don't own vehicle until the last payment is made.

Difference between hire Purchase and Vehicle loan.

In hire purchase, the seller / financier owns the asset until the buyer makes the final payment; Hence the word "Hire" is used whereas, in the term loan, the buyer borrows money, pays for the last asset and owns it immediately.

Scanned with OKEN Scanner

Hire Purchase Letter

DATE
MANAGER
NAME OF BANK
ADDRESS

MR / MS ___.

Greetings!

My name is ___ who have used the bank's vehicle loan. To inform you I have recently accomplished the vehicle loan last < month /day/year>.

I hope you can grant this request

Thank you

Respectfully yours.

SIGNATURE over PRINTED NAME
Address
other Info.

Scanned with OKEN Scanner

Conclusion

Banking holds a crucial role in our day to day life We must adhere to the banking system as responsible citizens. The banking system acts as a crucial base for the financial system as well as the entire economic system of the country. It provides a base to the market and the companies.

Scanned with OKEN Scanner

कार्यालय प्राचार्य, सरदार वल्लभ भाई पटेल ...

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री/कु. योगीता सिंह पिता श्री भगवान सिंह कक्षा B.COM. 1st year महाविद्यालय सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय द्वारा परियोजना/प्रशिक्षुता/शिक्षुता/सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 21/1/2023 से 7/2/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर सिविल अस्पताल कुक्षी के क्षेत्र में कार्य किया/प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा/उत्कृष्ट कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 7/2/2023

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर
सिविल हॉस्पिटल कुक्षी
जिला धार (म.प्र.)

स्थान कुक्षी

नाम डॉ. विवेक श्रीवास्तव

पद BMO

Scanned with OKEN Scanner

Sr No	Date	Title	Page No.	Teacher's Sign
1		Introduction to Hospital	1 से 16	
2.		Introduction to medical Equipment	17 से 31	
3		Introduction to Disease	32 से 46	
4.		uddeshya	47	
5.		Samasya, Sujhav	48	
6.		Conclusion	49	

Scanned with OKEN Scanner

परिचय :—

लोगों की जरूरतों को पूरी करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य केंद्रो में उन्हें स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है। एक अस्पताल बीमारी की चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल के लिए एक संस्था है और यह जटिलताओं के बढ़ते अधिक जोखिम के साथ जटिल सेवाओं की जरूरत वाले घायल व्यक्तियों की देखभाल की जाती है। अस्पताल बीमार और घायल व्यक्तियों की देखभाल के संगठित संस्थान है।

अस्पताल शब्द लेटिन शब्द "हास्पेटेलिज" से लिया गया है जो "होस्पेस" से आता है जिसका अर्थ "होस्ट"। अंग्रेजी शब्द "हास्पटल" फ्रेंच शब्द "हास्पेटेल" से लिया गया है

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार :—

"शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक (धार्मिक) दृष्टि से सही होने की संतुलित स्तर का नाम स्वास्थ्य है, न कि बीमारी के न होने का।

अस्पताल के प्रकार :—

1] **सामान्य (जनरल) अस्पताल :—**

इन अस्पतालों में सामान्य रोगों का इलाज किया जाता है। सामान्य अस्पताल का मुख्य उद्देश्य देखभाल प्रदान करना है।

2] **विशेषज्ञता अस्पताल :—**

इन अस्पतालों में एक विशेष क्षेत्र में चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल प्रदान की जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

4] आइसोलेशन अस्पताल :- यह ऐसा अस्पताल है जहां अलग रखने की आवश्यकता वाले व्यक्ति या संचारी रोगों से पीड़ित व्यक्तियों का इलाज किया जाता है।

4] अध्यापन अस्पताल :- अध्यापन अस्पताल का प्राथमिक उद्देश्य डॉक्टरों का अध्यापन और प्रशिक्षण है।
उदा०- मेडिकल कॉलेज।

5] ग्रामीण अस्पताल :- ये अस्पताल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होते हैं, जहां स्थायी रूप से कम से कम एक या अधिक डॉक्टर होते हैं

अस्पताल के विभाग

1] बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) :- शब्द रोगी का अर्थ है "जिसे कष्ट है" और अंग्रेजी का पेशेंट शब्द लैटिन भाषा के पेशेंस से बना है जिसका अर्थ होता है "मुझे कष्ट है"। एक बाह्य रोगी ऐसा रोगी है जिसे 24 घण्टे या इससे अधिक समय के लिए अस्पताल, क्लिनिक या इससे जुड़ी सुविधा में जाता है

2] शल्य क्रिया (सर्जरी/Surgery) विभाग :- यह विभाग सामान्य सर्जरी यूनिट, आर्थोपेडिक यूनिट यूरिनरी ट्रेक्ट सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, मस्तिष्क और न्यूरोलॉजी सर्जरी, बच्चों की सर्जरी, आंखों की सर्जरी और नाक, कान, गले की सर्जरी के साथ मिलकर कार्य करता है।

Scanned with OKEN Scanner

आपातकालीन (Emergency) विभाग :— एक आपातकालीन विभाग को एक दुर्घटना तथा आपातकालीन विभाग, अस्पतालकालीन कक्ष या घायल रोगी विभाग कहा जाता है, जहां रोगियों की गंभीर रूप से देखभाल करने में विशेषज्ञता की चिकित्सा सुविधाएं होती है।

नर्सिंग (Nursing) :— सभी अस्पतालों में हमें डाक्टरों के साथ तथा मरीजों की सेवा करते हुए जो पुरुष/महिला दिखाई देती है उसे नर्स कहा जाता है, नर्स पुरुष/महिला में से कोई भी हो सकता है। नर्स का काम मरीजों की सेवा करना, मरीजों की देखरेख करना तथा डॉक्टरों के साथ काम करना व डॉक्टरों की मदद करना होता है।

एम्बुलेन्स (Ambulance) :— रोगीवाहन, एक वाहन है जिसका प्रयोग किसी रोगी या दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को किसी स्थान से अस्पताल या स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचने या एक उपचार केन्द्र से दूसरे उपचार केन्द्र तक ले जाने में किया जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

स्टेथोस्कोप (Stethoscope) एक मेडिकल इन्स्ट्रूमेंट है, जिसका इस्तेमाल दिल, लंग्स और इंटेस्टाइन (या आतों) से होने वाली आवाज को सुनने के लिए किया जाता है। आवाज सुनने के लिए स्टेथोस्कोप का यूज करने को ऑस्कल्टेशन (Auscultation) या परिक्षण बोल जाता है। स्टेथोस्कोप की खोज रेने लेनेक ने की थी। इसकी Price 350 से 1000 तक होती है।

बैंडेज और ड्रेसिंग का यूज घाव को भरने के लिए किया जाता है। यह प्राइमरी वाउंड मैनेजमेंट के तरह आता है। इसको ब्लीडिंग रोकने के साथ ही दर्द और सूजन को कम करने के लिए यूज किया जाता है। इसको वेन्स, रिक्स और जॉइंट की स्वेलिंग पर यूज किया जाता है।

इसकी price Rs 1 to Rs 5

Scanned with OKEN Scanner

एक्स - किरण या एक्स रे एक प्रकार का विद्युत चुम्बकीय विकिरण है जिसकी तरंगदैर्घ्य 10 से 0.01 नैनोमीटर होती है एक्स - रे एक सुरक्षित और दर्दरहित प्रक्रिया है जो शरीर के अंदर की इमेज निकालने के लिए इस्तेमाल की जाती है टूटे हुए हाथ या कलाई। (जैसे संक्रमण को दिखा देती है।) जो सर्जन के उपकरण की उस क्षेत्र तक जाने में मदद करता है।

इतिहास में आज ही के दिन विल्हम रोंटजेन ने कैथोड रेडिएशन के साथ प्रयोग करते हुए एक्स - रे का अविष्कार किया था.

कलाई के कुछ ब्लड प्रेशर मॉनिटर सटीक हो सकते हैं यदि ठीक उसी तरह उपयोग किए जाएं जैसे निर्देशित किया जाता है और आपके प्रदाता के कार्यालय में लिए गए मापों की जांच की गई हो। सबसे विश्वसनीय रक्तचाप माप के लिए, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन एक कफ के साथ एक मॉनिटर का उपयोग करने की सिफारिश करता है जो उपलब्ध होने पर आपके ऊपरी बांह के चारों ओर जाता है।
इसकी price:- 999 से 1119 तक की होती है.

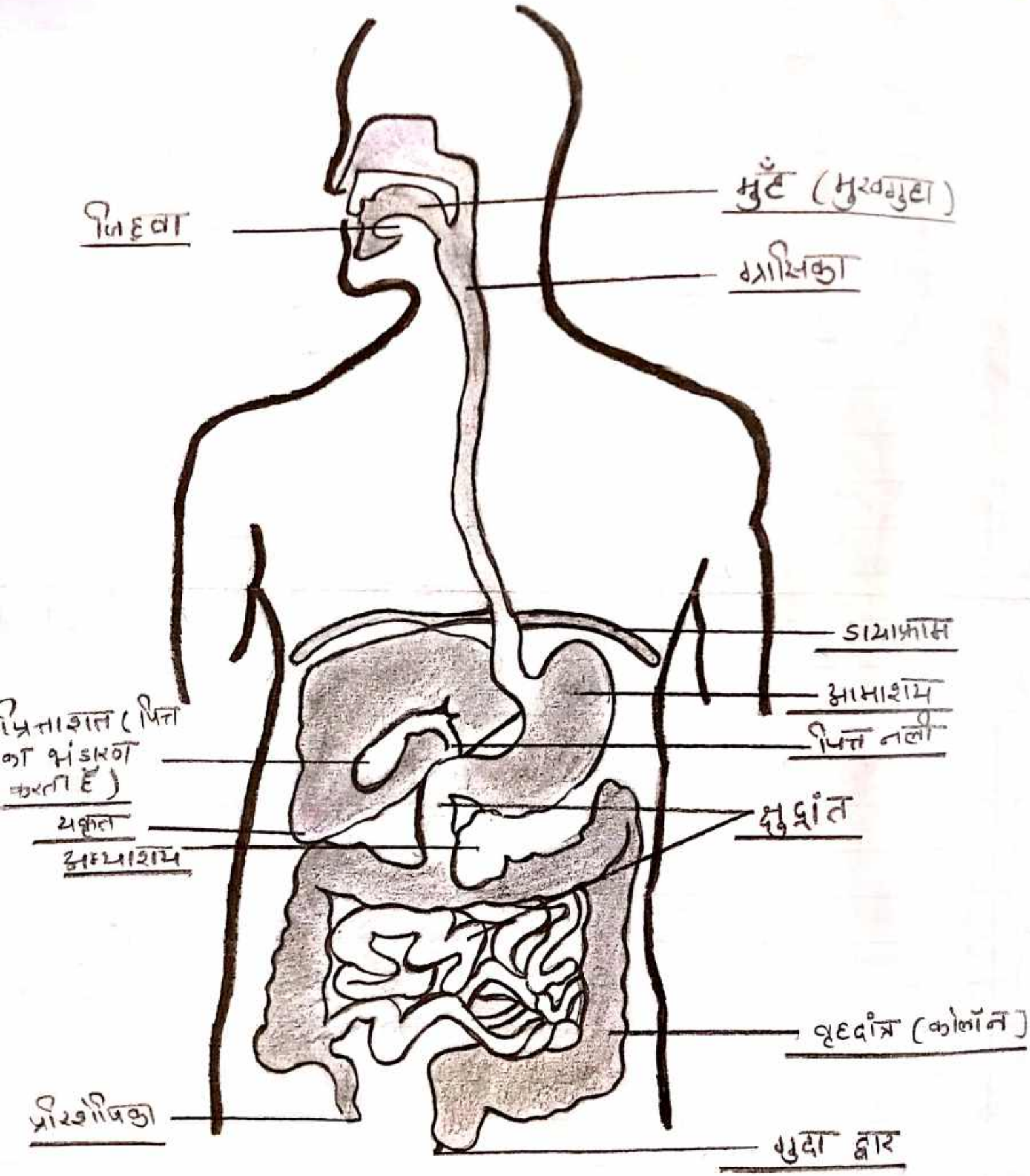

मनुष्य का आहार नाल (पाचन तंत्र)

Scanned with OKEN Scanner

समस्या

सिविल अस्पताल में डॉक्टर की कमी के कारण बीमार लोगों को देखभाल करने में कठिनाई होती है। जिससे बीमार लोगो को समस्या होती है। अस्पताल में बड़ी बिमारियों का इलाज न होने के कारण लोगों को दूसरे शहर जाना पड़ता है। अस्पताल में नर्स की कमी, मेडिकल इक्विपमेंट आदि की कमी है।

सुझाव

अस्पताल में डॉक्टर की कमी को दूर करना चाहिए जिससे बीमार लोगों की देखभाल करने में कठिनाई न हो जिससे बीमार लोगों का इलाज आराम से हो तथा बड़ी बीमारियों का इलाज होना चाहिए जिससे लोगों को शहर जाना न पड़े। अस्पताल में नर्स, मेडिकल इक्विपमेंट आदि की कमी को दूर करना चाहिए जिससे आम लोगों का इलाज अच्छी तरह हो सके।

Scanned with OKEN Scanner

निष्कर्ष

अस्पताल प्रशासन एक कैरियर विकल्प के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहा है, और अधिक से अधिक लोग इसके लिए जा सके। अस्पताल प्रशासक डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य सेवा दल के लिए एक सुसज्जित और सुविधापूर्ण तरीके से संतोष के साथ काम करने के लिए एक वातावरण बनाने में मदद करने के लिए एक अनूठी स्थिति में है।

Scanned with OKEN Scanner

कार्य पूर्णता का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नाम श्री / कु मोनिका एण्ड ग्रुप पिता श्री ....

कक्षा B. Com 1st year महाविद्यालय श. व. भा. प. शा. महा. कुक्षी द्वारा परियोजना / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव दिनांक 2/1/2023 से 8/4/2023 तक इस संस्था में उपस्थित रह कर शीतल फर्नीचर कुक्षी के क्षेत्र में कार्य किया / प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान इनका अच्छा / ~~उत्कृष्ट~~ कार्य किया तथा ये अति परिश्रमी समर्पित परिणामोन्मुखी है।

अतः संस्था इनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

शितल फर्निचर मार्ट
...मोहल्ला, लोहारी रोड, कुक्षी
शैलेन्द्र गोराणा

दिनांक 4/1/2023

हस्ताक्षर एवं सील

स्थान कुक्षी

नाम शैलेन्द्र गोराणा

पद मालिक

Scanned with OKEN Scanner

Index

SR No.	Contents	Page No
1.	Product Introduction.	01
2.	Furniture Scop of Work.	02-0[illegible]
3.	Furniture Industry.	10-12
4.	Sheetal furniture. 1	13
5.	Sheetal furniture 2	14
6.	Descriptiom Furniture	15-17
7.	Marketing management.	18
8.	Working managment.	19
9.	shop management system.	20
10.	Scope of Work in internship.	21-22
11.	Organization Details.	23
12.	USP of My product.	24
13.	process.	25
14.	Tecnology	26
15.	Cost effective Techniques.	27
16.	Intended Outcomes.	28
17.	Achieved Outcomes.	29

Scanned with OKEN Scanner

CONTENTS

	Company profile furniture.	30
.	Future plans.	31
0.	Selling price product	32
1.	Reasons for selecting products	33-34
2	Conclusion.	35

Scanned with OKEN Scanner

Tanisha Solanki

PRODUCT INTRO

Furniture refers to movable objects Intended to support various human activities such as seating, eating and sleeping. Its a product of design and is considered a form of decorative art. It can be made from many materials, including metal, plastic and wood. Therefore, furniture design is a return to natural shapes & textures.

Scanned with OKEN Scanner

Tanisha Solanki

Furniture Scop of Work

In furniture and spatial design, we work generally with the development of furniture and fixtures in sync with interior design. We plan spaces for homes, workplaces, institutions, urban spaces, exhibition and presentation design. Interior design and furniture is like a cultural phenomenon to designing spaces, which act as a setting for lifestyle and the statement

Scanned with OKEN Scanner

Intended Outcomes

In this step needs identified in the needs assessment process are Converted into measurable outcomes for the learners. intructional or educational objectives are called intended Outcomes here. intended Outcomes is the preferred term because it implies learning is planned, intentional, and a measurable Outcomes is expected. The following is a Synthesis of key Concepts, Simplified and adapted for references experiential learnings. further study of background information provided in the Addendum is recommended for those who want more depth on this topic. This step is Critical because it provides guidance for the Content and links the needs of the learner to the issues or problems. it also sets the stages to evaluate or measure. if the learner has attainiend the intended Outcomes. Intended outcomes Should Clearly state, in measurable terms what the learner will be able to do as a result of participation in planned activities designed to help the learner attain knowledge, attitudes and behaviour to bring about Long Change. The intended outcomes should be measurable and specific.

Scanned with OKEN Scanner

Rishika Barfa
29

Achieved Outcomes

Achieved Outcomes The uptown program achieved goals in all CNI area. A total of $ 138 MM was invested in housing and infrastructure alone. More than 500 distressed public housing units were replaced with 888 New and rehabilated units of high-quality mixed-income rental and homeover housing, private rental and homeowner units have also been and will be Constructed as a result of the na neighborhood tranformation and over half million dollars in property taxes are generated from the new housing. Vacant, underutilized and blighted properties were puted to residental use through the offsite housing development program. Community and Supportive services were provided for residents; new park and open Spaces were Created, and existing ones were improved. Community facilities were Contructed for educational program and Community Organizing and assembly. Achieved Outcomes If you achieve a particular aim or effect, you Succeed in doing it or Causing it to happen, usually after a lot of effort

Rishika Banka

Company Profile
Furniture

A House won't be Complete without furniture. Otherwise, it'll only be a big empty space. Furniture brings Comfort and easses everyone's living Condition's. Furniture Companies are there to provide this essential Stuff that people Can bring to their homes. Furniture Companies will never go out of buisness as long as people need furniture There are different Furniture Companies that provide different degins available to suit everyone's tastes. with many furniture Compainies, you as an owner have to stand out from them. A Company Profile will help you introduce to a bigger market the product and service you specialize in. and your furniture Company by giving an overview of its background. include information Such as the Company's name, Buissness structure, and location. A Company Profile won't be Complete without a mission statement defines the goals and Values of your Company. The last part of your Company Profile is to provide your Contact information where potencial. Customers Can reach you. A Company profile is essential to introduce your buisness and your product and service to the market.

Scanned with OKEN Scanner

The main objective for the Sheetal Furniture The Standard Furniture & Cabinet Company is to Connect with the Consumers through a Series of Renewed Developments in Cabinet Production.

The Company strives to innovate improved Cabinet designs to allow the Consumer through production

- Identify the target market
- Make a business plan
- Estimate your budget
- Register your business name and DBA
- Form a legal entity
- Get tax registration

Scanned with OKEN Scanner

Monifda Hammad
34

Our Mission

Delivering happiness by Serving the best

Our Vision

To become one of the leading furniture manufacturing organisation in India till 2025

Your Values Mean for Us

Listening is the momentorous for us by mean of Producing the exquistie forms of furniture that most fit your demands and values

Conclusion ....,,

This project help me to understand Marketing Management practically and also helped me to get families with furniture business

Suggestions for further Studies / future plans

To become one of the understand furniture manufacturing organisation in India till 2023, we expand our business at ...

Furniture design is of vital importance in the design of interior and exterior Spaces

Furniture design depends on many factors

Furniture could be Classified either by function Construction technique, location or material

Furniture could be manufactured by a Variety of materials Such as wood, metal, plastic and others

Work Completion Certificate

Certified That (I (Name) Bhumika, priya, Saloni, Tanisha, Rupali, Diya Class ....B.COM II year.
(Name Of Collage) Sardar Vallabhbhai patel Goverment Collage. Susari Project Work by trained / trainee / community engagement Date...15/04/23.
To Date ..22/04/23.................. By being present in connection with this institution worked in the filed of ..S.F. Ltd... training has been recived .

(Name)............ Hard working Dadicated results He / She / They has done good / excellent work during his tenure in the organisation we wish them a bright future,with good wishes ......

Place
Date 01/05/23

Sale Of Institution
Signature
Name ..

Sundaram Finance Ltd.
First Flor Plot No.13/2
Opp.Gayatri Mandir,Dhar-Chikhalda MArg
Kukshi,Dist Dhar (M.P.) 454331

Scanned with OKEN Scanner

INDEX

S . No...	Particular	Page
1	Balancesheet	1 - 10
2	Profit & Loss Account.	11 - 21
3	Cash flow Account.	22 - 32

Sundaram Finance Ltd.
First Flor Plot No.13/2
Opp.Gayatri Mandir,Dhar-Chikhalda MArg
Kukshi,Dist.Dhar (M.P.) 454331

Scanned with OKEN Scanner

Balance Sheet.

A Balance sheet is a financial statement that contains details of a Company's assets or liabilities at a specific point in time. It is one of the three core financial statement (income statement and Cash flow statement being the other two) used for evaluating the performance of a business.

A Balance sheet serves as reference documents for investors and other stakeholders to get an idea of the financial health of an organization. It enable them to Compare Current assets & liabilities to determine the Business's liquidity, or calculate the rate at which the Company generates returns. Comparing two or more balancesheet from different point in time can also show how a business has grown.

With this information, stakeholders can also understand the Company's prospects. For instance, the balance sheet can be used as proof of Creditworthiness when the Company is applying for loans.

By seeing whether Current assets are greater than Current liabilities. Creditors can see whether the Company can fulfill its short-term obligations and how much financial risk it is taking.

Defination.

Balance sheet is financial statement of a Company which includes assets, liabilities, equity Capital, total debt etc. at a point in time. Balance sheet include assets on one side, and liabilities on the other. For the Balance sheet to reflect the true piture both heads (liabilities & assets) should tally (Assets = Liabilities + Equity).

Scanned with OKEN Scanner

Owner's Equity / Earnings

Owner's equity is equal to total assets minus total liabilities. In other words, it is the amount that can be handed over to shareholders after the debts have been paid and the assets have been liquidated. Equity is one of the most common ways to represent the net the values of Company.
Part of shareholder's equity is retained earnings, which is a fixed percentage of the shareholder's equity that has to be paid as dividends.
The equity value can be positive or negative. If the shareholder's equity is positive then the Company has enough assets to pay off its liabilities.
If it is negative, then liabilites exceed assets

Balance sheet Formula & equation

The Balance sheet equation between follows the accounting equation, where assets are on one side Liabilities and shareholder's equity are on the other side, and both side balance out.

Assets = Liabilities + Shareholder's Equity

According to equation, a Company pays for what it own (Assets) by borrowing money as a Services (liabilities) or taking from the share-holder or investors (equity).

Conclusion

A Balancesheet is an important reference document for investores and stakeholders for assessing a Company's financial status. This document give detailed information about the assets and liabilities for a given time. Using these details one can understand about Company's performance. By analysing Balancesheet. Company ownres can keep their business on good financial footing.

Now that you have an idea of how values are recorded in several accounts in a balance sheet, you can take a closer look with an example of how to read a Balancesheet. In this article, we will discuss different scenarios to understand how values are reflected in the balance sheet accounts.